राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 30.00 संख्या 28
वैम्पायर
FOR MORE FUN VISIT:
www.rajcomics.com
कमांडो ध्रुव

अजीबोगरीब रहस्यों से भरी इस दुनिया में जिन्दगी के भी कई रूप हैं।
एक तो वे जिन्दगियां, जो शरीर के सहारे जिन्दा रहती हैं...
पर कई जिन्दगियां, बगैर शरीर के भी जिन्दा रहती हैं। इनको आम भाषा में हम अति-मानवीय या भूत-प्रेत कहते हैं।
लेकिन कुछ जिन्दगी इसलिए नहीं खत्म होतीं, क्योंकि उनके शरीर खत्म नहीं होते! वे मनुष्यों का खून पीकर सैकड़ों, हजारों साल तक भी जिन्दा रह सकती हैं! इसी तरह की जिन्दगी जीते हैं...
कथा एवं चित्र अनुपम सिन्हा
वैम्पायर
सुपर कमांडो ध्रुव
यानि मनुष्यों का खून पीने वाले वे प्राणी, जो न तो जिन्दा हैं और न ही मुर्दा।
हा हा हा! हम वैम्पायर जिसका खून चख लेते हैं, उसे भी वैम्पायर बना देते हैं।
और अब हम तुम्हें भी बना देंगे...
मानवों के लहू पर जिन्दा रहने वाला... वैम्पायर ध्रुव!
1922-1953
सम्पादक: मनीष गुप्ता

एटॉमिक रिसर्च सेन्टर—
राजनगर की खूबसूरत इमारतों में से एक—
एटॉमिक रिसर्च सेंटर
चाहे वह काम अच्छा हो या बुरा—
अरे! वह सातवीं मंजिल से कूद गया!
लेकिन मैं इसको भागने नहीं दे सकता!
छनाक
रात को, हॉलाकि यहां पर काम करने वाले काफी कम होते हैं।
लेकिन फिर भी यहां पर काम कभी बंद नहीं होता।
और फायर- स्केप की तरफ बढ़ रहा, भागने वाले का शरीर।
वर्ना मेरा रहस्य खुल जाएगा!
हवा में एक कातिलाना हाथ घूमा—
सां य
तड़ाक
आ sss ह!
कातिल मुस्कुराता हुआ, वापस पलट गया।
कड़ी सड़क की तरफ बढ़ने लगा।
उसका काम हो गया था—
तो वह इतना खुश नहीं होता।
?
क्योंकि यह दृश्य अनदेखा नहीं गया था—
अब नीचे जाकर यह पक्का करना होगा कि वह बचा या नहीं!
यह वक्त ध्रुव की गश्त का समय था।
लेकिन अगर वह पलभर और रुककर आगे का दृश्य देख पाता—
ओह! उस आदमी के सिर पर किसी कड़ी चीज से वार किया गया है!
उस चोट से तो शायद ये बच गया हो, लेकिन सड़क पर गिरकर कभी नहीं बचेगा!

मुझे इसे सड़क पर गिरने से रोकना होगा!

ध्रुव का हाथ, एक्सीलेटर पर पूरा घूम गया।

ध्रुव की स्पेशल मोटर साइकिल का पिक अप भी स्पेशल था।

दो सेकेण्ड में ही स्पीडोमीटर की सुई नब्बे को छू गई।

और स्पीड ब्रेकर से उछलकर...

... जब ध्रुव की मोटर-साइकिल ने...

... वापस सड़क को छुआ, तब मोटरसाइकिल पर दो सवार थे।

ओह! इसके सिर पर जिस चीज से भी वार किया गया है, उसने इसकी खोपड़ी को बुरी तरह से तोड़ डाला है!

कौन हो तुम? तुम पर हमला किसने किया? बताओ?

जा... जासूस! ... परमाणु... यंत्र! ब... बचा लो!

आह!

अरे, यह तो मर गया!
जासूस... परमाणु यंत्र और फिर बचा लो! आखिर इसका मतलब क्या था?
यह स्टॉमिक रिसर्च सेंटर की बिल्डिंग से कूदा था!
कातिल भी अभी इमारत के अंदर ही होगा!
क्योंकि उसे भागने का मौका अभी तक नहीं मिला है।
सातवीं मंजिल की एक खिड़की टूटी हुई है!
यानि यह सातवीं मंजिल से निचली छत पर कूदा था!
लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि...
मैं कातिल को पहचानूंगा कैसे?
रुको! वर्ना गोली मार दूंगा! तुम अन्दर कैसे...
अरे! ध्रुव साहब आप?
सुनो गार्ड! जब तक मैं न कहूं, तब तक किसी को भी इस इमारत से बाहर जाने मत देना!
ठीक है सर! आप कहते हैं तो ऐसा ही करूंगा!
आंधी तूफान की तरह उड़ता ध्रुव...
... सीधा सातवीं मंजिल पर टूटी खिड़की वाले कमरे पर जाकर रुका। लेकिन —
अरे! यह कमरा तो खाली है...
यानि कातिल भाग चुका है।
और हो सकता है कि वह मेरे सामने ही निकला हो!
और मैं उसे पहचान नहीं...
अरे! यह नीचे क्या हो रहा है?
नहीं! आप अभी बाहर नहीं जा सकते!
हट, मेरे रास्ते से!
ओह! कातिल भागने की जल्दी में अपना पता खुद ही बता रहा है!
धाड़

और यह...
इसकी आखिरी गलती...
साबित होगी।
आऊ!
धड़ाक
तुम मुझ पर वार क्यों कर रहे हो?
मैंने क्या किया है?
तुमको बाहर जाने की इतनी जल्दी क्यों थी?
व... वो तो... हां! मैं देखने जा रहा था कि डॉक्टर भामा को कितनी चोट लगी है!
और चौकीदार मुझे रोक रहा था!
तो तुम यह भी जानते हो कि कोई खिड़की से नीचे गिरा है! और वह डॉक्टर भामा है!
इस हादसे को सिर्फ दो ही लोगों ने होते देखा है!
मैंने... और कातिल ने! और यह बात जान कर तुमने साबित कर दिया है कि वह कातिल तुम ही हो, मिस्टर जासूस!
जासूस!... यानि तू जरूरत से ज्यादा जान गया है, लड़के!
इसलिए तुझे भी मैं वही अंजाम दूंगा, जो मैंने भामा को दिया है।
मौत का अंजाम!
तड़ाक
आह!
इसकी फुर्ती तो आश्चर्यजनक है! और किक भी बहुत तेज है!

अरे!
इसकी खोपड़ी तो स्टील की है...
और इस पर विग लगा है।
घाड़
आश्चर्यचकित मत हो, लड़के!
हम लोगों के दिमाग से दर्द महसूस करने वाला हिस्सा आपरेशन करके निकाल दिया जाता है।
और 'स्टीलकैप' फिट कर दी जाती है।
इसलिए हम लोगों को दर्द का एहसास ही नहीं होता!
यह सच कह रहा है! मेरे इस वार से तो चीख उठना चाहिए था इसको!
लेकिन इसका हम लोगों से क्या मतलब है?
घम्म
क्या यहां पर इसके अलावा और जासूस...
आह!
भड़ाम!
मैं अब तेरी खोपड़ी का भी, भामा की खोपड़ी सा कचूमर निकाल दूंगा!
सांय
ओह! यह मुझ पर बूमरैंग से वार कर रहा है!
यह एक ऐसा हथियार है जो वार करने के बाद अपने मालिक के हाथों में वापस पहुंच जाता है।
और इसका एक ही वार, परलोक पहुंचाने के लिए काफी है।
लेकिन अब मैं इसकी दिशा जरा सी बदल सकूं...
...तो यह हाथ के बजाय जासूस के पैर पर पहुंच जाएगा!
खट
और मेरा काम यह बूमरैंग खुद ही कर देगा।
अब बता! कि तू किस देश का जासूस है?
और तूने डॉक्टर भामा का कत्ल क्यों किया?
तू भूल गया लड़के!...

...कि मुझे दर्द का एहसास नहीं होता है।
अब तक गार्ड होश में आ चुका था।
अबकी बार तू मेरे बूमरैंग के वार से अपनी खोपड़ी नहीं बचा सकता!
अरे! यह तो ध्रुव साहब पर कोई हमला कर रहा है।
मुझे ध्रुव साहब की मदद करनी चाहिए!
ध्रुव बूमरैंग के वार से कलाबाजी खाकर बच गया-
और बूमरैंग वापस अपने मालिक की तरफ बढ़ने लगा-
ठीक इसी पल-
...गार्ड की उंगली भी बंदूक की लिबलिबी पर दब गई।
धांय
गोली से बचने के लिए वह जासूस हवा में उछला-
धड़ाक!
और पलटकर वापस आते बूमरैंग ने एक भीषण वार में उसकी खोपड़ी उड़ा दी।
दर्द का अहसास हो पाने से पहले ही...
...वह जासूस मर चुका था।
और उसके साथ ही सारे जवाब भी।
और फिर-
इस आदमी का नाम नवाजी था, ध्रुव! अभी कुछ ही महीने पहले ही हमारे यहां आया था।
डायरेक्टर
एटॉमिक रिसर्च सेन्टर
रिसर्च स्कालर के रूप में!
हमको इस पर रत्ती भर भी शक नहीं था कि यह रिसर्च की आड़ में जासूसी कर रहा है।
उसकी तलाशी में ये कागज बरामद हुआ है।
इस पर तो 'कोडवर्ड' में कुछ लिखा है!

हां! शायद ये इसी मैसेज को ट्रांसमीटर के जरिए कहीं भेज रहा था!
और उसी वक्त डॉ॰ भामा ने इसको देख लिया होगा!
समझ गया! पर यह किस चीज की जासूसी कर रहा था?
यह टॉप सीक्रेट है! लेकिन तुमको यह बताने में कोई हर्ज नहीं है!
हम अब से आधे घंटे बाद... एक भूमिगत परमाणु परीक्षण करने जा रहे हैं।
हमारा उद्देश्य इस परमाणु ऊर्जा का इस्तेमाल शांतिपूर्ण कार्यों के लिए करना है।
लेकिन लगता है कि दुश्मन देश के जासूसों को इसकी भनक लग गई है... इसीलिए वे हमारे परमाणु यंत्र के पीछे पड़े हैं।...
...क्योंकि इस परमाणु यंत्र की मदद से 'परमाणु बम' बनाने की क्षमता भी हासिल की जा सकती है।
अगर हमारे दुश्मनों ने परमाणु बम बना लिया तो हमारे देश की सुरक्षा भी खतरे में पड़ सकती है।
ऐसा नहीं होगा, सर! मैं देश की सुरक्षा तक पहुंचने वाले दुश्मन हाथों को तोड़ कर रख दूंगा! यह परीक्षण कहां पर हो रहा है?
यहां से हजार किलोमीटर दूर...
...राजस्थान के पोखरन जिले में।
पोखरन में?
यह 'शब्द' सुनते ही ध्रुव के दिमाग में—
तीन दिन पहले की घटनाएं घूमने लगीं।
रजनी, जल्दी से मेरे कपड़े पैक कर दो! मुझे कुछ दिनों के लिए बाहर जाना है।
बाहर?
अब कहां जाना है?
पोखरन!
यह कहां पर है?
राजस्थान में! हमारी सीमा से सटा हुआ एक छोटा सा शहर है। वहां पर दुश्मन देश के जासूसों की गतिविधियां बहुत बढ़ गई हैं...
...इसीलिए मुझे कुछ दिनों के लिए वहां का चार्ज लेने भेजा जा रहा है।

आप तो एक बार पहले भी राजस्थान जा चुके हैं!

इसीलिए तो मुझे ही वहां पर भेजा जा रहा है। क्योंकि मैं उस क्षेत्र से अच्छी तरह वाकिफ हूं!

क्या संयोग है, पापा!

देखो न! आपको भी राजस्थान जाना है, और मुझे भी!

तुझे? तुझे किसलिए जाना है?

ऐ! देखो भइया!! तुम बीच में मत बोलो!

इस बात से तुम्हारा कोई मतलब नहीं है!

फिर भी पता तो चले कि एकाएक आपको राजस्थान में कौन सा काम निकल आया?

हां, श्वेता! बता, क्या काम है, तुझको?

व... वो 'पी-सीरीज़' वाले हैं न! जो गानों की कैसट बनाते हैं! उन लोगों ने मुझे एक कांट्रेक्ट दिया है!

कैसा कांट्रेक्ट?

वो... राजस्थान के लोकगीतों की एक नई कैसेट बनाने का कांट्रेक्ट!

हा हा हा हा हा! गानों की कैसेट बनाएगी तू?

तू 'सा रे गा मा' पूरा आता भी या नहीं? हा हा हा!

तुम ये राक्षस की तरह हंसना...

... और बीच में टांग अड़ाना बन्द करो! मैं पापा से बात कर रही हूं न!

तुझे राजस्थान के लोकगीतों की क्या समझ है, श्वेता?

है न, पापा! आजकल फिल्मों में राजस्थानी गानें बहुत पॉपुलर हो रहे हैं।

वो 'खलनायक' फिल्म का सुपरहिट गाना है न! चोली...♫

ठीक है... ठीक है! समझ गया!

चल, तू भी अपने कपड़े रख ले!

यह लड़की घूमने का मौका कभी हाथ से नहीं जाने देती!

चाहे उसके लिए सफेद झूठ बोलना पड़े!

क्या बनाया है पापा को! लेकिन पापा भी हमसे कुछ छिपा रहे हैं।

मामला गड़बड़ लगता है, चंडिका वाली ड्रेस भी पैक करनी पड़ेगी।

यह तो ध्रुव भी समझ गया था, कि आई० जी० राजन कुछ छिपा रहे हैं।
लेकिन अब उसको स्थिति की भयावहता का एहसास हो रहा था।
क्या सोचने लगे, ध्रुव?
कुछ नहीं सर। वह जासूस बार-बार 'हमलोग' बोल रहा था।
यानि इसके साथ और भी जासूस होंगे।
और यह उनको ही मैसेज भेज रहा होगा। मुझे तुरन्त ही पोखरन पहुंचना होगा।
और उसके लिए, मुझे आपकी स्पेशल परमीशन चाहिए।
उसी वक्त-
पोखरन में-
परमाणु परीक्षण स्थल से थोड़ी ही दूर पर-
बाबा खान, हमारे पास परमाणु यंत्र की डिज़ाइन के सारे डिटेल्स आ चुके हैं।
अभी थोड़ी देर पहले नवाजी का मैसेज आया था...
कि परमाणु परीक्षण आधे घंटे बाद होगा।
हमको उससे पहले ही यहां से निकल लेना चाहिए।
बाबा खान, सिर्फ मिलिट्री-चीफ से हुक्म लेता है।
कोई और उसे अगर बिना मांगे सलाह भी देता है।
तो वह जुबान फिर कभी नहीं बोलती।
माफी... माफी, बाबा खान।
दुश्मन को शिकस्त देने के लिए दोहरी मार मारनी चाहिए। उनका राज हासिल करके हम एक मार तो मार चुके हैं।
दूसरी मार होगी, उनकी परमाणु परीक्षण के योजना को ही ध्वस्त कर देना। और यह काम हमको करना बाकी है।

हमको इनका परमाणु यंत्र खराब कर देना है, ताकि धमाका हो ही न सके!
लेकिन, बाबा खान, परमाणु यंत्र तो जमीन के एक किलोमीटर नीचे रखा है, क्योंकि यह एक भूमिगत परमाणु परीक्षण है!
हम वहां तक पहुंचेंगे कैसे?
कैसे, बाबा खान?
जिस वक्त तुम लोग परमाणु यंत्र की डिजाइन हासिल कर रहे थे...
उस वक्त मैं परमाणु यंत्र तक पहुंचने का रास्ता बना रहा था!
वह किला देख रहे हो न? वह पोखरन का शाही किला है!
और उस किले से इस गुफा तक एक किलोमीटर लंबी, एक गुप्त सुरंग बनी हुई है।
मुझे एक दिन, संयोग से इस सुरंग का पता चला था! वैसे तो यह सुरंग राजा ने हमले के वक्त भागने के लिए बनवाई थी...
...लेकिन मैंने इसका एक दूसरा इस्तेमाल किया है। मैंने इस सुरंग के बीच में से एक सुरंग और खोदी है, जो सीधे उस परमाणु यंत्र तक जाती है।
किला
गुफा
पुरानी सुरंग
नई सुरंग
परमाणु यंत्र
अब हम आराम से परमाणु यंत्र को बेकार...
श श श! गुफा के ऊपर कोई है।
गुफा के ऊपर-
वह किला कैसा है, रौनक सिंह?
वह पहले तो पोखरन का शाही किला था, श्वेता बिटिया!
लेकिन अब तो खंडहर है। इसके पास तो कोई दिन में भी नहीं जाता है।

राज कॉमिक्स

क्यों?
क्योंकि इस किले के अंदर से अजीब-अजीब आवाजें और रोशनियां आती हैं! लोग कहते हैं कि इस किले के अंदर भूत नाचते हैं!
ओऽऽऽ भूत!! यहां पर भूत हैं! चलो, रौनकसिंह!
वर्ना मैं तो यहीं पर बेहोश हो जाऊंगी!
किले के अंदर से आवाजें रोशनियां और भूतों की कहानियां! जासूसों के छिपने की जगह के सारे लक्षण एक साथ मौजूद हैं!
रुको, बिटिया! डरो मत!
मुझे यह बात पापा को बतानी चाहिए!
लेकिन पापा श्वेता की बचकानी बात का कभी यकीन नहीं करेंगे! इसीलिए उनको यह सूचना देगी...
चंडिका!!
श्वेता को परमाणु परीक्षण की कोई जानकारी नहीं थी।
तब भी, जबकि इस परीक्षण स्थल की सिक्योरिटी का गुप्त चार्ज आई० जी० राजन को दिया गया था।
चारों तरफ कड़ी सुरक्षा का घेरा है, सर!
वैसे यह पूरा परीक्षण सेना के अंदर में हो रहा था।
दुश्मन देश के जासूस तो क्या, उधर की चिड़िया भी इधर 'पर' नहीं मार सकती।
गुड! परीक्षण में सिर्फ पांच मिनट बचे हैं। उसके बाद आप तुरन्त राजनगर वापस जा सकते हैं।
लेकिन इन पांच मिनटों में बहुत कुछ हो जाना था।
नई बनी सुरंग में।
काम हो चुका है। अब जल्दी से यहां से निकल लो।
जल्दी किस बात की है?
अब वे लाख बटन दबाते रहें...
विस्फोट होगा ही नहीं।
मैं तीसरी जमात फेल ही सही, लेकिन डिजाइनें देखकर खराबी पैदा करने में मैं माहिर हूं।
उल्टी गिनती चालू थी।
नाइन... एट... सेवन...
और मासूम एवं डरपोक श्वेता...
प्रलयंकारी चंडिका का रूप धारण कर रही थी।
क्यों न, पापा को कुछ बताने से पहले मैं खुद जासूसों का पता लगा लूं?
हां यही ठीक रहेगा!

गिनती खत्म हो रही थी–
फोर...थ्री...टू...वन...
जीरो!
और...
...और विस्फोट हो गया!
ऊंगली बटन पर दबी–
लेकिन यह आमतौर पर होने वाले परमाणु विस्फोटों की तरह नहीं था!
बाबाखान की यंत्र के साथ की गई छेड़खानी ने, विस्फोट का रूप ही बदल दिया था।
सुरंग के रास्ते, विस्फोट की लहर, गुफा तक भी आ गई थी।
यह क्या, बाबाखान?
विस्फोट तो हो गया।
अब मैंने तो पूरी कोशिश की थी!
लेकिन मैं तीसरी जमात फेल हूं। हो सकता है कि कुछ भूल-चूक हो गई हो।
इस अजीबो-गरीब विस्फोट से गुफा को तो, रत्तीभर का भी नुकसान नहीं हुआ था।
लेकिन गुफा के अन्दर रेडियो-एक्टिविटी फैल गई थी।
और हवा में हो गया एक रहस्यमय छेद साफ नजर आ रहा था।
इस छेद के पार क्या था–
यह कोई नहीं जानता था–
सुरंग के ही रास्ते – विस्फोट की दूसरी लहर किले तक जा पहुंची थी।
लेकिन यहां पर उसे सुनने वाला कौन था?
कोई भी नहीं?
विस्फोट में हुए बदलाव को कंट्रोल सेंटर में भी महसूस किया गया था।
कुछ गड़बड़ हो गई है, जनरल सर!
कैसी गड़बड़?
यह तो मैं अभी नहीं बता सकता हूं।
लेकिन यह विस्फोट कुछ दूसरी तरह का था।
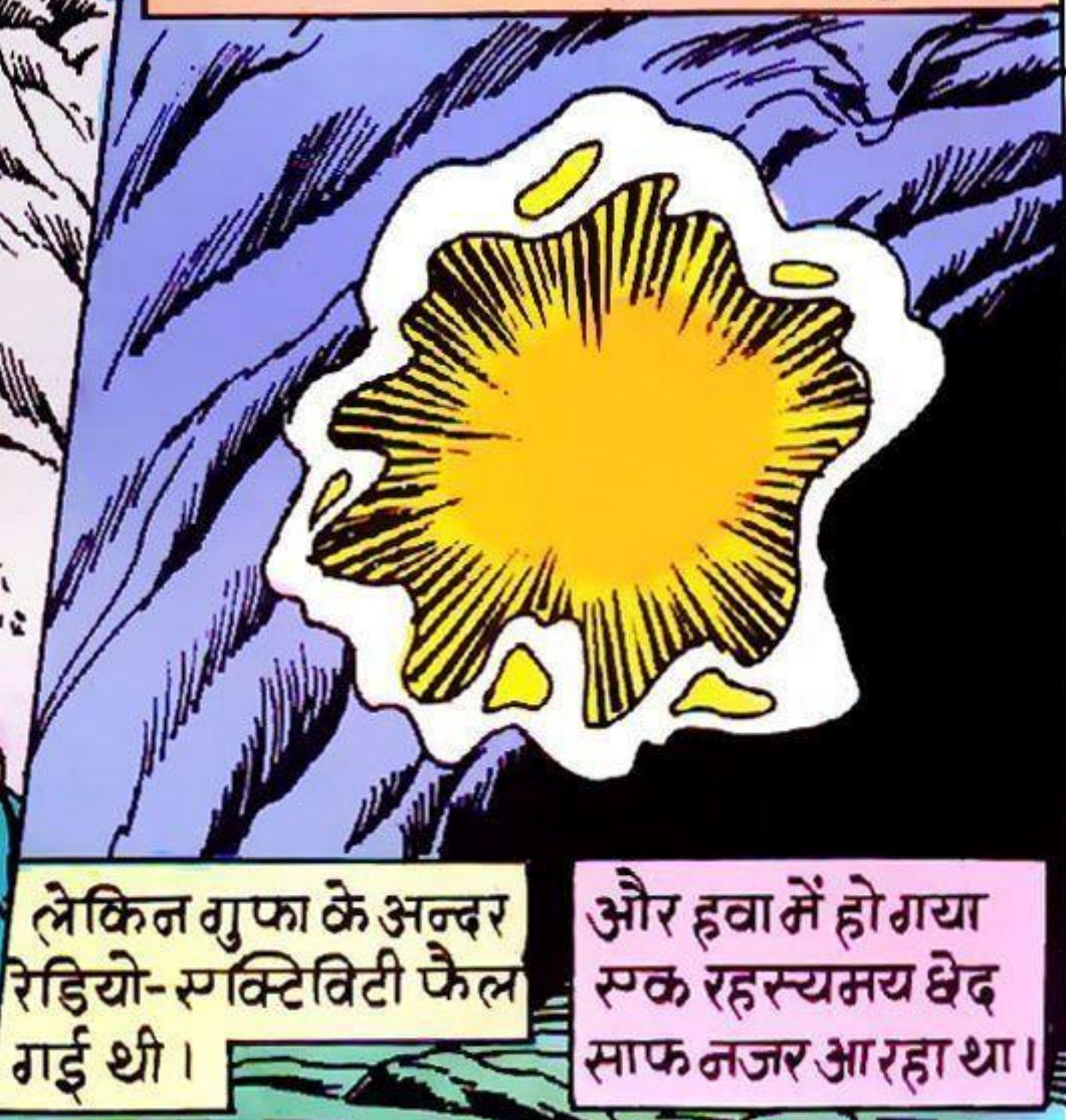
क्या परमाणु यंत्र के साथ कुछ छेड़खानी हुई है?
इस संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता।
यानि किसी ने हमारे सीक्रेट पता लगा लिए हैं।
मेजर, उस जासूस का पता चलने तक पूरे इलाके को सील कर दो!
न तो कोई बगैर इजाजत इस इलाके के अन्दर आएगा, और न ही बाहर जाएगा।
सारे फोन भी काट दो।
यानि इस इलाके का बाहरी दुनिया से संपर्क काट दिया जाए?
तुम बिल्कुल ठीक समझे, मेजर।
बाबा खान बहुत खुश था।
काम हो गया है, चीफ!
वेरी गुड, खान!
अब तुम जल्दी से जल्दी वापस अपने देश आ जाओ।
लेकिन आने से पहले, अपने रहने की जगह पर से सारे सबूत मिटा कर ही आना! यह मेरा हुक्म है।
जो आज्ञा, चीफ!
आपके हुक्म का पालन होगा! ओवर!
चलो, साथियो! गुफा से अपने रहने के सारे सबूत नष्ट कर आएं।
चंडिका इस पूरे घटनाक्रम से अंजान थी।
रात का अंधेरा पूरी तरह से घिर चुका है। अब जरा किले की पास से छानबीन की जाए।...
...और भूत-प्रेतों से मुलाकात की जाए।

लेकिन तभी–
अरे! उन पत्थरों के बीच से हल्की-हल्की रोशनी कैसे बाहर आ...
ओह! यह तो एक गुफा है!
लेकिन इसके अंदर से रोशनी कैसे बाहर आ रही है?
पास जाकर देखना चाहिए!
यह रोशनी, रेडियो-एक्टिविटी की रोशनी थी।
और इसमें जाना, मौत को दावत देने के बराबर था।
लेकिन यह बात चंडिका को नहीं पता थी।
चंडिका गुफा में घुसी–
गुफा की तरफ कोई और भी बढ़ रहा था।
बाबा खान, गुफा की तरफ वह कौन जा रहा है?
यह तो कोई लड़की लगती है!
रुको, जरा देखें तो कि यह आखिर करना क्या चाहती है?
और अगले ही पल...
...गुफा में से एक दिल दहला देने वाली चीख निकली–
ईयाया ऊ
और चंडिका का शरीर, हवा में उड़ता हुआ गुफा से बाहर आ गिरा।

जासूसों के सिर पर अगर असली बाल होते तो जरूर खड़े हो जाते –
यार, रेडियो-एक्टिविटी का असर तो बहुत खतरनाक होता है।
अब हम गुफा में घुसकर अपना सामान कैसे निकालेंगे?
घबराओ मत!
कोई न कोई रास्ता जरूर निकलेगा।
लेकिन फिलहाल तो यहां से निकल लो।
चंडिका की चीख ने कई लोगों को घटना स्थल पर जमा कर लिया था –
आई० जी० राजन को भी।
क्या हुआ?
एक अजीब सी लड़की है, सर! मुझे तो जासूस लगती है!
अरे, यह तो चंडिका है!
मैं इसे अच्छी तरह से जानता हूं।
यह कोई जासूस नहीं है!
ओह! लेकिन मुझे तो इसका पहनावा जासूसों जैसा ही लगता है।
सर, आप?
हां! हमारे परमाणु परीक्षण में कुछ गड़बड़ हो गई है! हमको जासूसी का शक है!
और अब तक हमको सिर्फ यही एक बाहरी आदमी,.. मेरा मतलब लड़की मिली है।
और आप इसको जानते हैं।
आई एम सॉरी, मिस्टर राजन मेहरा! लेकिन जब तक यह लड़की होश में आकर बयान न दे दे, तब तक आप यह इलाका छोड़कर नहीं जाएंगे।
इस लड़की को अस्पताल पहुंचाने का इंतजाम करिए।
राजन मेहरा पलभर में स्थिति समझ गए।
चंडिका पर जासूस होने का, और उन पर जासूस की मदद करने का आरोप लगाया जा रहा था।
आई० जी० राजन, शक के दायरे में आ चुके थे।

ध्रुव भी पोरवरन पहुंच चुका था-
ओह! राजनगर के एटॉमिक रिसर्च सेंटर में एक जासूस पाया गया!
यानि यह षड्यंत्र काफी पहले से चल रहा था!
हां, सर!
मैं समझ रहा हूं! लेकिन फिर भी, जासूसों के पकड़े जाने तक मैं किसी को भी यहां से जाने नहीं दूंगा।
मैं भी यहां पर, उन देश के दुश्मनों के ही पीछे आया हूं, सर!
लेकिन उसके लिए मुझे आपकी इजाजत चाहिए! क्योंकि सारा इलाका सेना के अंदर में है।
और आप यहां पर सेना के सबसे बड़े अफसर हैं।
वैसे तो हम अपने काम में दखल पसन्द नहीं करते!
लेकिन तुम्हारे लिए हम स्पेशल परमीशन देने को तैयार हैं।
अस्पताल में-
इस लड़की की तबियत कैसी है, डॉक्टर?
आश्चर्यजनक! ऐसा केस मैंने पहले कभी भी नहीं देखा!
यह लड़की 'कोमा' में है! यानि गहरी बेहोशी की अवस्था में।
लेकिन इसके शरीर में 'रेडियो' सक्रियता है, और इसकी पोशाक तथा मास्क इसके शरीर से खाल की तरह चिपक गए हैं।
यह उस गुफा में घुसी थी!
लेकिन उस गुफा में रेडियो सक्रियता कहां से आ गई?
परमाणु परीक्षण तो उस गुफा से काफी दूर पर हुआ था!
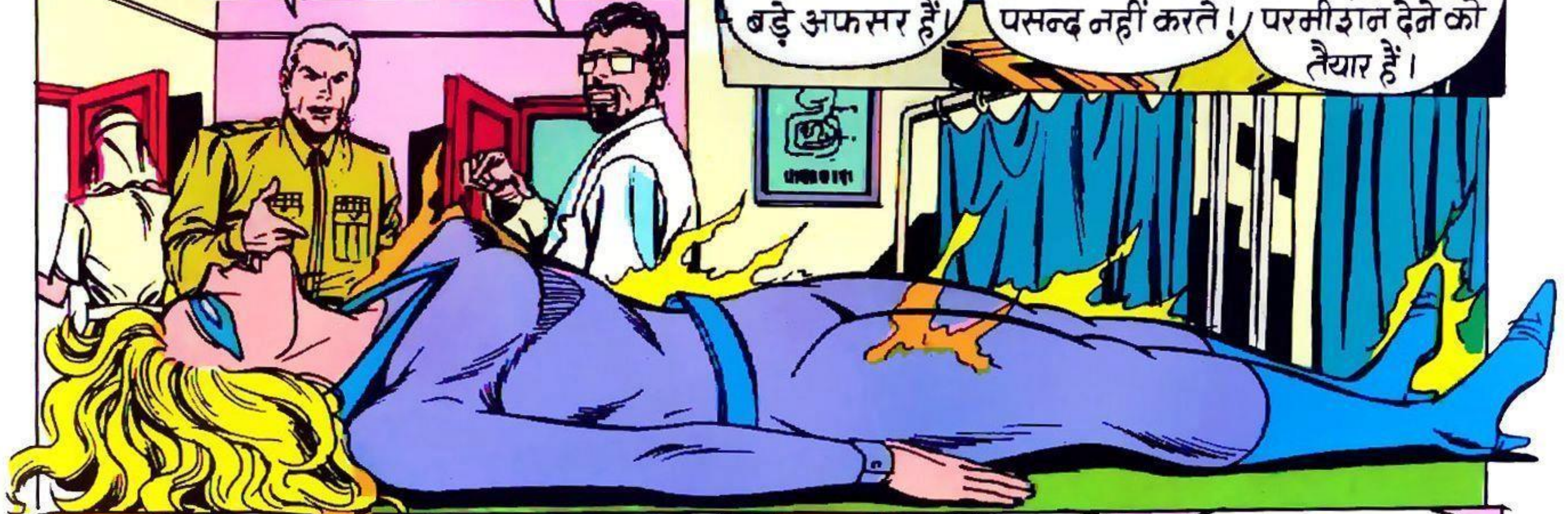
यह तो तभी पता चलेगा, जब हम गुफा की रेडियो सक्रियता खत्म करके उसके अन्दर घुस पाएंगे।
शायद चंडिका की पोशाक, उसी रेडियो सक्रियता के कारण इसके शरीर से चिपक गई है।
ANATOMICAL
ध्रुव!
तुम यहां पर?
हां, पापा!
और फिर- ध्रुव, आई० जी० राजन को पूरा घटनाक्रम सुनाता चला गया।
ओह! अब सारी बातें समझ में आ रही हैं।
लेकिन श्वेता कहां है! कहीं नजर नहीं आ रही है?
वह शाम को ही, शहर घूमने चली गई थी। अभी तक उसका कोई पता नहीं है!
बाबा खान के लिए बुरी खबरों का अंबार लगता जा रहा था।
बाबा खान, अभी रेडियो में खबर आई थी...
राजनगर के एटॉमिक रिसर्च सेंटर में एक जासूस पकड़ा गया, और मारा गया।
ओह! यह जरूर नवाजी ही होगा!
लेकिन उसको पकड़ा किसने?
किसी सुपर कमांडो ध्रुव ने।
परमाणु परीक्षण में गड़बड़ तो जासूसों ने ही की है!
लेकिन उनको पकड़ने की शुरुआत कहां से? एक मिनट!
उस वीरान किले की खिड़की में से रोशनी छनकर बाहर कैसे आ रही है?
यानि कोई किले के अंदर है!
कहीं यही जासूसों का अड्डा तो नहीं है!

इसकी जांच पड़ताल करनी ही पड़ेगी।

लेकिन इस वक्त भी ध्रुव पर नजरें गड़ी हुई थीं।

यह कौन है, बाबा खान? इसकी शक्ल देखी हुई सी लग रही है।

अरे! यह तो वही लड़का है... सुपर कमांडो ध्रुव।

इसकी फोटो मैं अखबारों में कई बार देख चुका हूं।

लेकिन यह तो राजनगर में रहता है! यह यहां पर क्यों आया है?

?

शायद नवाजी ने मरने से पहले कुछ उगल दिया है।

अब इसके हाथों को हमारी गर्दन तक पहुंचने में देर नहीं लगेगी।

इसको जल्दी से जल्दी रास्ते से हटाना होगा।

वह किले की तरफ जा रहा है। इदरी, शेखू, इसका पीछा करो!

और सन्नाटे में पहुंचते ही,

इसको खत्म कर दो।

किले की तरफ बढ़ते ध्रुव के पैरों के निशान को—

...दो जोड़ी पैरों के नए निशान मिटाते जा रहे थे।

उनका मकसद था- पैरों के निशान की तरह ही, ध्रुव की जिन्दगी को भी मिटा देना।

अपने पीछे आ रही मौत से अंजान, ध्रुव तेजी से किले की तरफ बढ़ रहा था।
ओह! किले और शहर के बीच में साफ पानी का एक नाला भी है! गहराई में होने के कारण दूर से यह नजर नहीं आता है!
मुझे इस नाले को संभल कर पार करना होगा!
यहां पर पानी में मगरमच्छों का मिलना आम बात है।
पानी के अंदर पड़े पत्थरों पर पैर जमाता हुआ ध्रुव, नाले के दूसरे किनारे की तरफ बढ़ा—
और पलभर के लिए चट्टानों ने उसको जासूसों की नजर से छिपा लिया।
ओफ! मैं यह नाला जल्दी से जल्दी पार करना चाहता था!
और इस छोकरे ने गायब होकर मुझे यहीं पर अटका दिया!
अरे! कहां गया?
अभी तो यहीं पर था!
तू उधर देख, इदरी! मैं इधर देखता हूं!
अब अगर किसी मगरमच्छ ने मेरा पैर पकड़...
म... मेरा पैर किसी ने पकड़ लिया है।
किसने पकड़ा?
अ?...
छपाक

अ... सुपर कमांडो ध्रुव!

तुम समझते हो कि तुम मेरा पीछा करोगे, और मुझे पता नहीं चलेगा?

बोल, मेरा पीछा क्यों कर रहा था?

कौन है तू?

मैं तेरी मौत हूं, लड़के!

तड़ाक

ओह! यह तो कोई प्रशिक्षित अपराधी लग रहा है! इसकी फुर्ती जबरदस्त है।

इदरी ने ध्रुव को संभलने का मौका नहीं दिया।

लोहे का दस्ताना बेरहमी से, ध्रुव के शरीर से टकराने लगा-

ध्रुव ने पलटकर वार किया-
और आश्चर्यचकित रह गया-
स्टील की खोपड़ी पर विग!
यानि तुम ही वह जासूस हो जिसकी मुझे तलाश है।
अगर तू 'स्टील की खोपड़ी' के बारे में जानता है, तो यह भी जानता होगा कि हम लोगों को दर्द का अहसास नहीं होता है।
धमाक
और हम लोग बंदूकें कभी इस्तेमाल नहीं करते! क्योंकि वे बहुत शोर करती हैं।
हम चुपचाप काम करने में यकीन रखते हैं। और यह 'ब्लोपाइप' तुम्हें बहुत शांत मौत देगा!
यह सुइयां उगलता है!
और हर सुई की नोंक पर लगा हुआ है...
पलभर में मौत देने वाला खतरनाक जहर पोटेशियम सायनाइड!
ओह! इनमें से एक भी सुई की हल्की सी भी खरोंच मुझे परलोक पहुंचाने के लिए काफी है।

तुम कब तक बचोगे, ध्रुव?
पानी के अन्दर भी घुस जाओगे, तब भी मेरी जहरीली सुइयों से बच नहीं पाओगे।
यह सही कह रहा है। बचने से कुछ हासिल नहीं होगा...!
हासिल होगा पलट कर हमला करने से!
...और उस हमले में मेरा हथियार होगा...
इसकी पोशाक का फटा कपड़ा!
सट
खट्प
ध्रुव का हाथ फुर्ती से सुइयों का रास्ता रोकता गया—
और—
धड़ाक
तुमको दर्द का अहसास तो नहीं होता है!
लेकिन जल्दी ही, ये सुइयां, तुम्हारे बदन में घुस कर तुमको मरने का एहसास जरूर दिला देंगी।
बोलो, किस देश के जासूस हो तुम?
लेकिन कुछ बताने के लिए खुले मुंह से, एक दूसरी ही आवाज निकली।
शेख!

आवाज सुनते ही शेखू घूमा—

और ध्रुव ने जासूसों की आश्चर्यजनक फुर्ती का एक नमूना और देखा।

लंबी चेन के साथ लगी, भारी कटार, ध्रुव की गर्दन उड़ा देने के लिए लपकी।

अब जासूसों को ध्रुव की फुर्ती का नमूना देखना था।

खचाक!
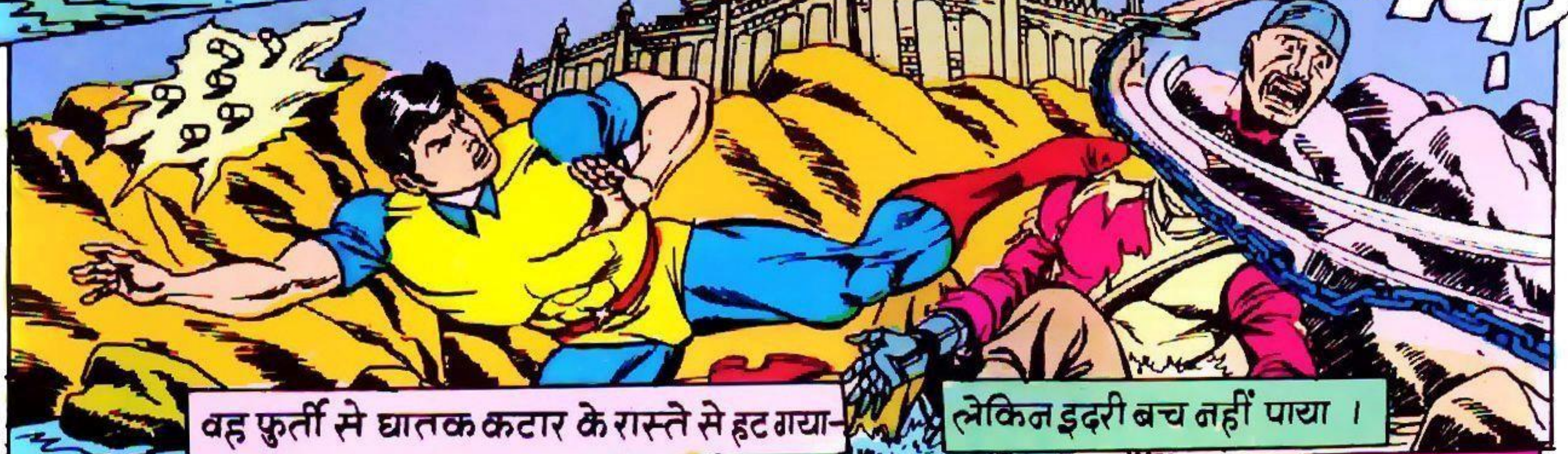
वह फुर्ती से घातक कटार के रास्ते से हट गया—

लेकिन इदरी बच नहीं पाया।

शेखू की आंखों में खून उतर आया—

कटार, बिना रुके एक बार फिर घूमी—

और ध्रुव एक बार फिर कटार से बचने के लिए हटा—

लेकिन इस बार कटार का निशाना, ध्रुव की गर्दन नहीं—
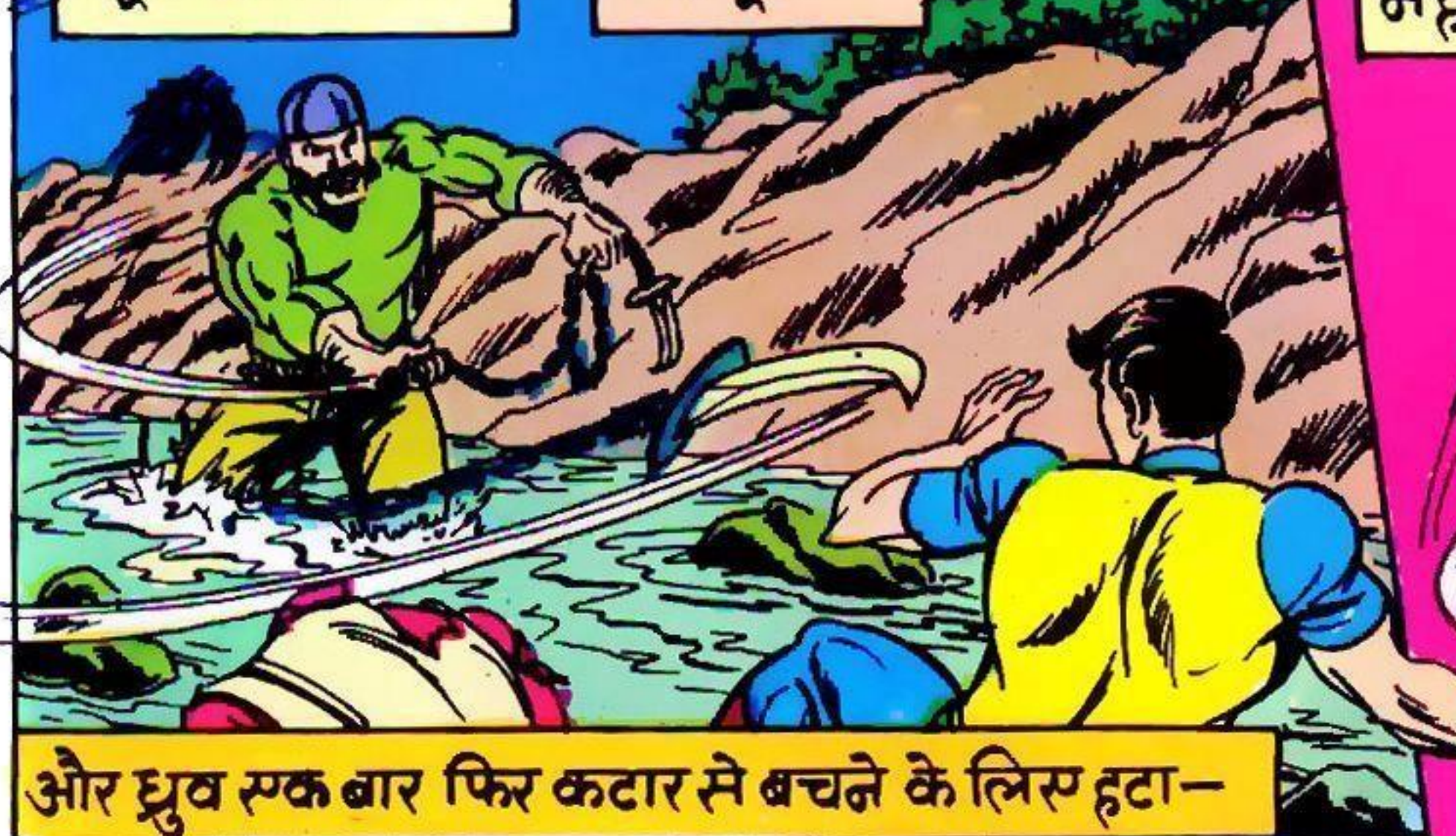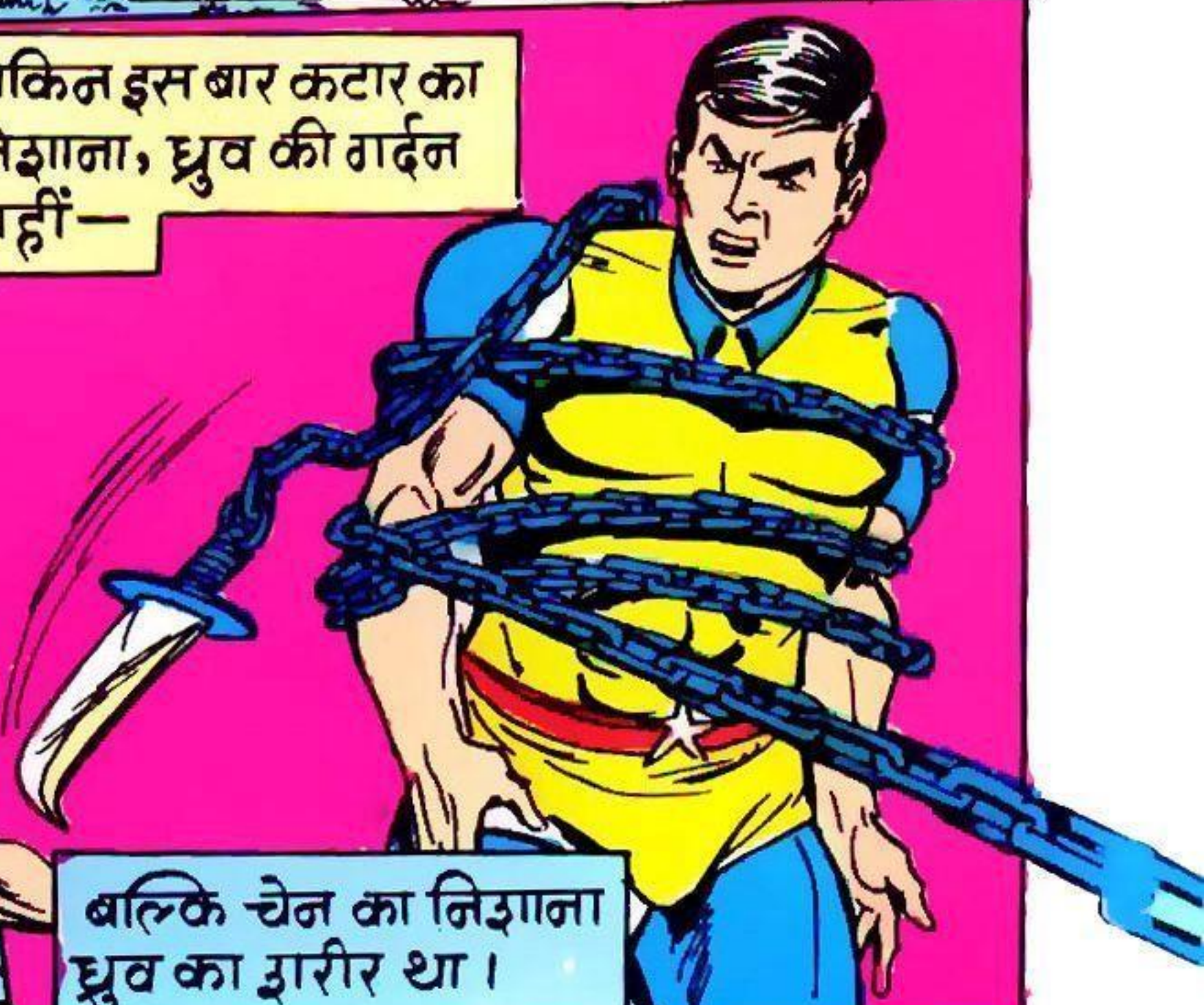
बल्कि चेन का निशाना ध्रुव का शरीर था।

अब ध्रुव, शेरखू के बंधन में असहाय था।

और कटार लगी चेन का दूसरा सिरा उसका सिर धड़ से अलग कर देने के लिए हवा में उड़ने ही वाला था –

लेकिन शेरखू ने एक गलती कर दी थी –

उसने चेन का दूसरा सिरा ध्रुव के हवाले कर दिया था।

ध्रुव ने अपने बदन को एक तेज झटका दिया –
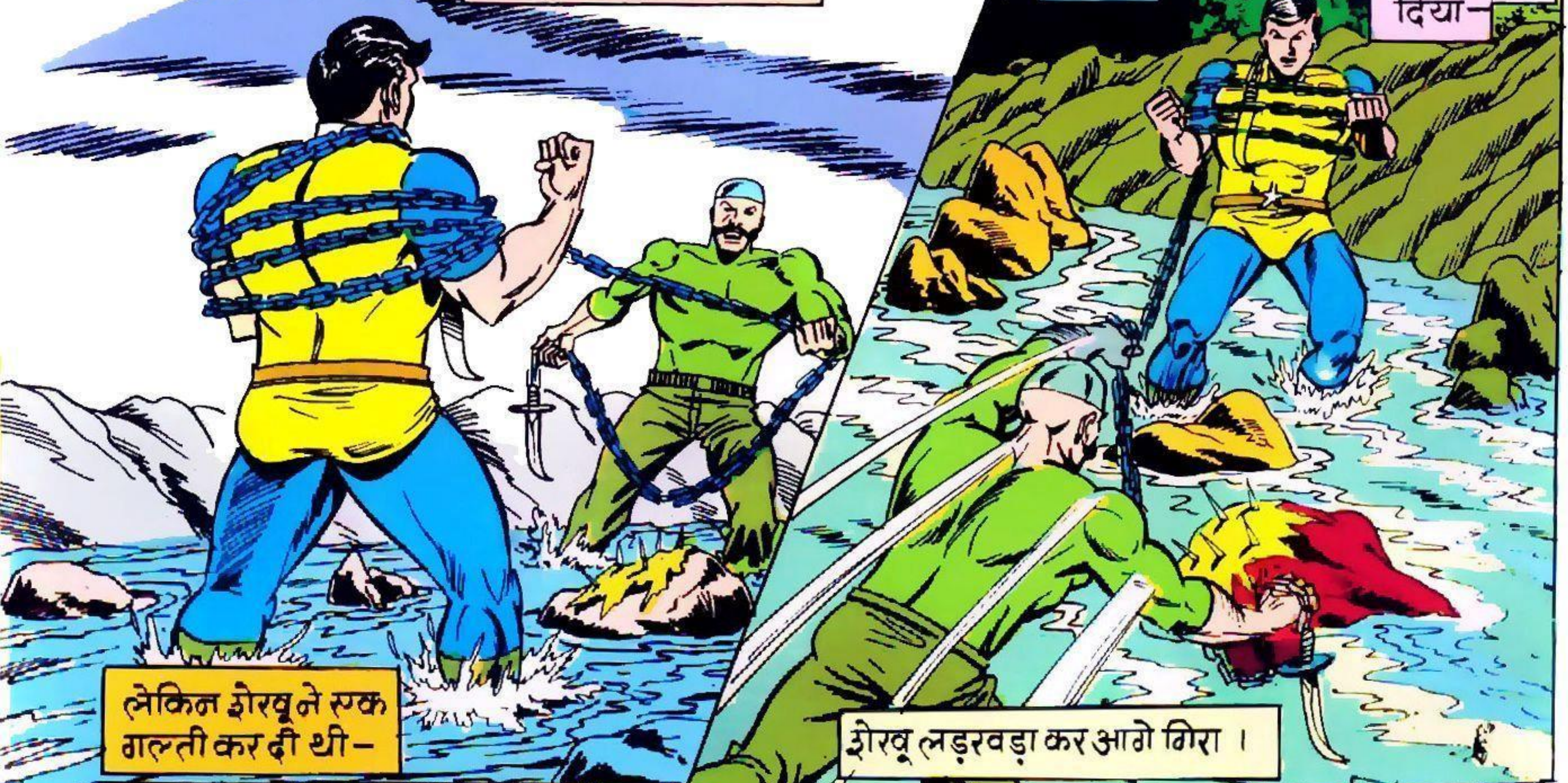
शेरखू लड़खड़ा कर आगे गिरा।

और चट्टान में, बहकर अटके हुए कपड़े में धंसी सारी सुईयां, उसके बदन में जा धंसी –

खच

एक पल से भी पहले, शेरखू का खेल खत्म हो गया!

ओह! दोनों जासूस, एक दूसरे के हथियार से ही खत्म हो गए।

ये शायद मुझे, उस किले तक पहुंचने से रोकना चाहते थे।

लेकिन अगर वह किला, जासूसों का अड्डा है, तो ऐसे खुलेआम उसमें घुसना खतरनाक हो सकता है।

उस किले में कोई कुआं या बावड़ी जरूर होगी।
जिसमें इस नाले का पानी भूमिगत रास्ते से होकर पहुंचता होगा।
मैं उस रास्ते से किले के अंदर चुपचाप पहुंच सकता हूं।
और अगर मैं गलती नहीं कर रहा, तो यह रास्ता किले की तरफ ही जा रहा है।
ध्रुव का ख्याल सही था।
क्योंकि कुछ ही मिनटों बाद ध्रुव किले के अंदर था।
एक भयानक सन्नाटा पूरे किले को घेरे हुए था।
अंदर जमी धूल और बेशुमार जाले इस बात की गवाही दे रहे थे···
···कि यहां पर जमाने से कोई मानवीय कदम नहीं पड़े।
घुप्प अंधेरे में, ध्रुव अंदाजे के सहारे, उस कमरे की तरफ बढ़ने लगा—
जिसमें से उसने एक हल्की रोशनी बाहर आती देखी थी।
और उसे रोशनी का स्रोत मिल गया।

ध्रुव कुछ पलों तक भौचक्का सा खड़ा रहा–
कमरे में कोई नहीं था।
और फिर– एकाएक–
हमला शुरू हो गया।
ध्रुव ने हमलावरों को दूर भगाने की पूरी कोशिश की–
लेकिन हमलावरों की तादाद बेशुमार थी।
और जल्दी ही– ध्रुव का बदन, चमगादड़ों से ढका हुआ था।
वह कुछ सोचता, इससे पहले ही एक आवाज़ ने उसका ध्यान खींच लिया।
कदमों की आहट!
कोई आ रहा है!
ठक ठक ठक
वह आकृति किधर से कमरे में आई–
यह ध्रुव नहीं समझ पाया।

ओह! तो मेरा शक ठीक निकला कि इस किले में कोई रहता है!
और वह दुश्मन देश के जासूसों के अलावा और कोई नहीं हो सकता!
इसीलिए शायद तुम्हारे आदमी मुझे इस किले तक पहुंचने से पहले खत्म कर देना चाहते थे।
चोले के अंदर से उबली हंसी, किसी का भी खून पानी कर देने के लिए काफी थी।
हा हा हा हा! जासूस! मैं जासूस!
जासूसी करने तो तू आया है, लड़के! क्योंकि इस किले में घुसने वाला, पहला जिंदा आदमी तू है!
और आखिरी भी।
मुझे अभी एक भीषण शैतानी ताकत का सामना करने की तैयारी करनी है, जिसने अपना खूनी खेल खेलना शुरू कर दिया है!
और तुम्हे भी शायद उसी शैतानी ताकत ने भेजा है।
अब मेरा एक इशारा पाते ही, ये लहूखोर चमगादड़ तेरा खून चूसना शुरू कर देंगे।
और यहां के चील-कौए खाएंगे, तेरी लाश!
लबादे में से एक अजीब सी आवाज उभरी।
और ध्रुव के पूरे बदन में कई दांत गड़ने शुरू हो गए—
चूस
चस्स
चस
चूस
चस्स
आह! ये मजाक नहीं कर रहा है!
ये चमगादड़ तो वाकई मेरा खून पीने की तैयारी में हैं।

ये तादाद में इतने ज्यादा हैं, कि इनको हाथ से हटाना संभव नहीं है... आह!

इन्होंने मेरा खून पीना शुरू कर दिया है!

जब तक मैं इनको हटाने का रास्ता सोच पाऊंगा, तब तक ये मेरे बदन का पूरा खून०००

अपने पूरे शरीर में दौड़ रही पीड़ा की तेज लहरों को नजर अंदाज करते हुए—

वाह! मिल गया रास्ता!

ध्रुव ने मेज पर एक तेज ठोकर मारी।

और जलती खोपड़ी उसके शरीर पर आ गिरी।

तड़क

मेरे बदन के कपड़े अब तक गीले हैं!

वे मेरे शरीर को तो झुलसने से बचा लेंगे! लेकिन इन चमगादड़ों को कौन बचाएगा?

आग की झुलसन का आभास होते ही चमगादड़ों ने ध्रुव के शरीर को छोड़ना शुरू कर दिया।
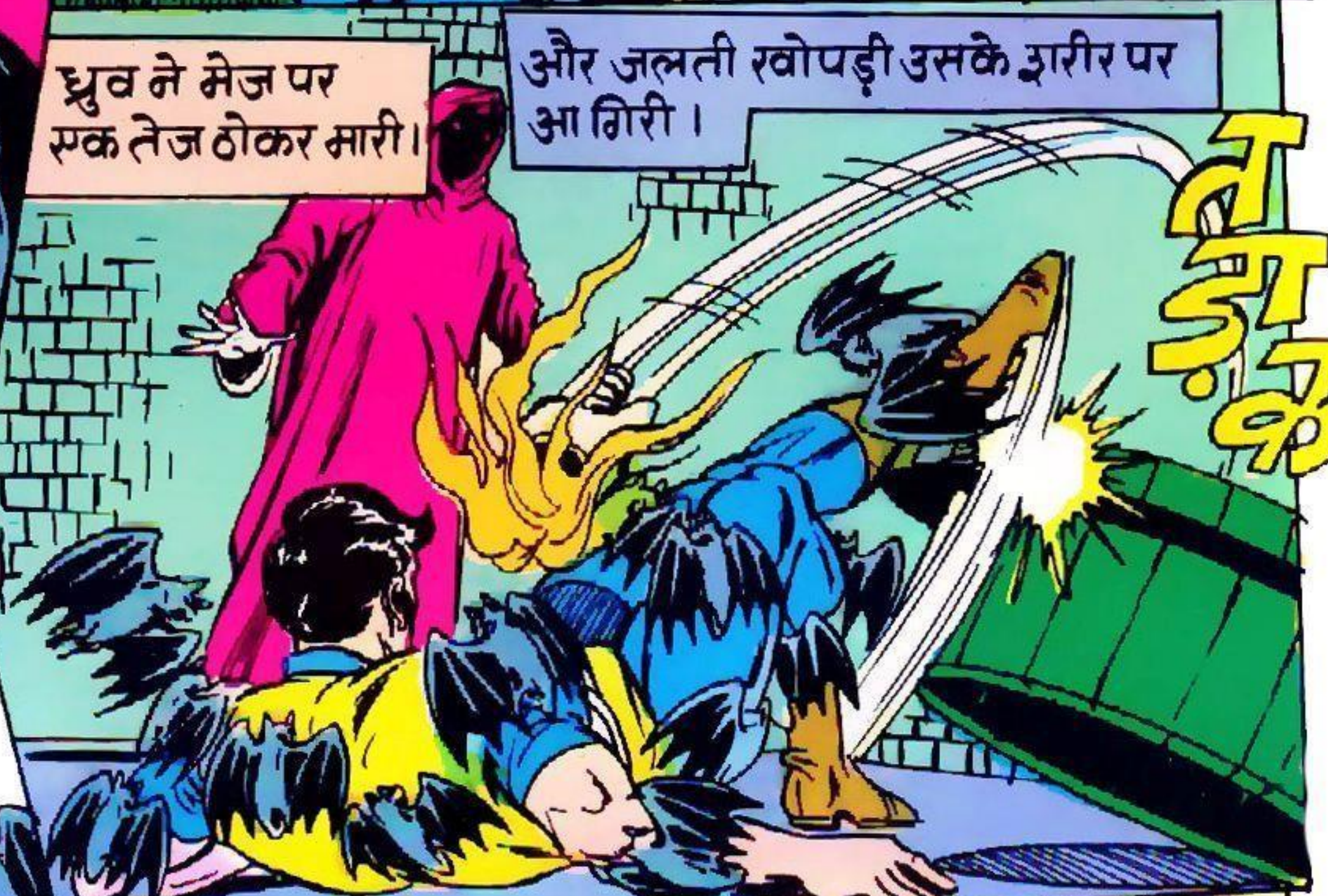
और कुछ ही देर में ध्रुव आज़ाद हो गया।

आश्चर्य है! तू मेरे रक्तपिपासु चमगादड़ों से बच गया।

ऐसे मामूली खतरे ध्रुव का रास्ता नहीं रोक सकते।

और अब मैं तुम्हारा चांद सा चेहरा देखना चाहता हूं, जासूसों के सरदार!
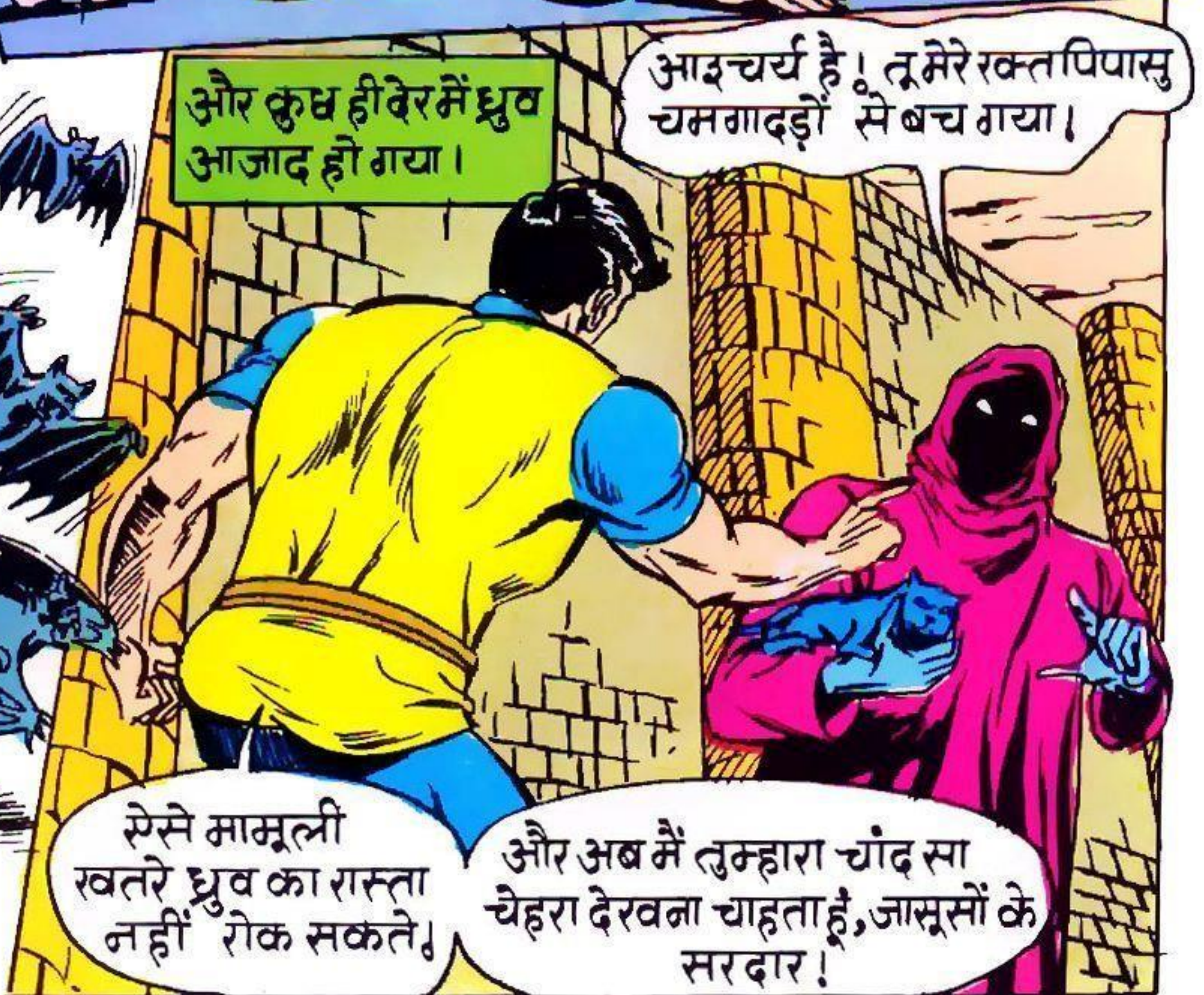
लेकिन 'चांद से चेहरे' के बजाय ध्रुव को कई तारे दिख गए।
तू इन चमगादड़ों को हरा कर समझता है कि तूने मुझ पर जीत हासिल कर ली?
तड़ाक
लेकिन मेरे 'मानसिक वार' तेरी सांस रुकने के बाद ही रुकेंगे!
इस मानसिक फंदे में फंसने के बाद जिंदा शरीर लाश बनकर ही बाहर निकलता है, लड़के।
ये मुझ पर मानसिक वार कर रहा है...
लेकिन यह आश्चर्य-जनक शक्ति इसके पास कहां से आई?
आक! मेरा दम घुट रहा है...
... इस शिकंजे से बच कर निकल पाना असंभव लग रहा है।
क्या इसी किले में मेरी चिता का सामान...
एक मिनट!
ये मानसिक शिकंजा है! यानि 'दिमागी तरंगों' से बना हुआ बंधन!
अगर मैं इसका दिमाग बंटा सकूं, तो काम बन जाएगा!
और यह काम करने के लिए, एक मददगार यहां मौजूद है।
म्याऊं! मूंयांईऊं।
ध्रुव के गले से आवाज निकलते ही—
म्याऊं
-बिल्ली अपने ही मालिक पर टूट पड़ी।

और मानसिक बंधन टूट गया—

इस बार ध्रुव ने, उस रहस्यमय आकृति को संभलने का मौका नहीं दिया—

अब बता!

कौन है तू?

परमाणु यंत्र में खराबी तूने कैसे पैदा की थी?

जवाब में उस आकृति का हाथ घूमा—

और जलती खोपड़ी में कुछ जा गिरा।

और साथ ही साथ-ध्रुव का दिमाग भी अंधेरे में डूबने लगा—

एक गाढ़ा धुआँ, कमरे को तेजी से अपने आगोश में लेने लगा—
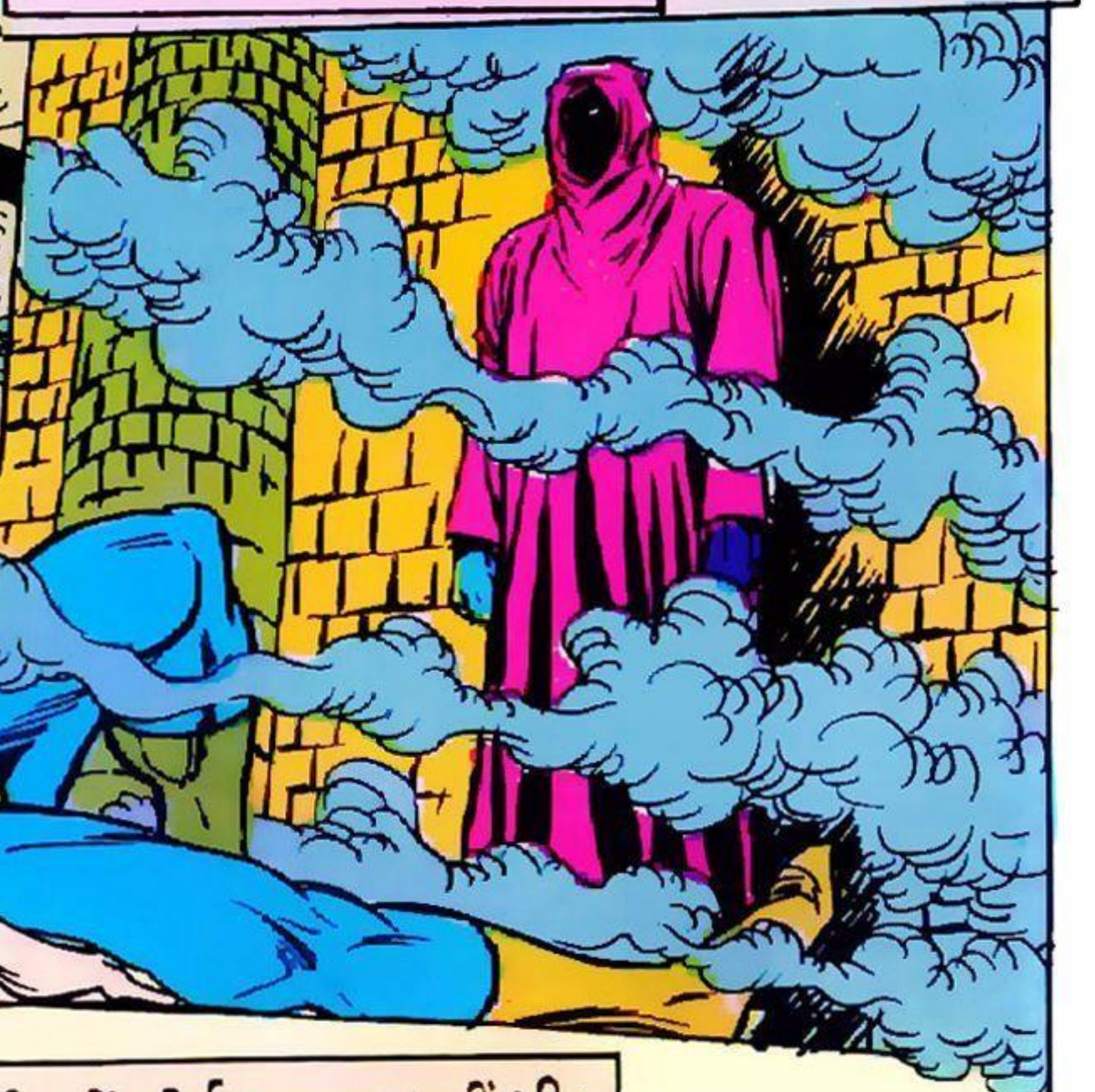
अब उस रहस्यमय आकृति और ध्रुव की जान के बीच में कोई रुकावट नहीं थी।

अगले दिन का सूरज– अपने साथ कई नई खबरें लेकर आया–
परमाणु परीक्षण के कंट्रोल सेंटर में–
मेरा शक सही था, जनरल सर! परमाणु यंत्र के साथ छेड़खानी की गई है।
और छेड़खानी करने वालों को परमाणु यंत्र की डिजाइन का हर डिटेल मालूम था।
एटॉमिक रिसर्च सेंटर
यानि परमाणु यंत्र के डिजाइन जासूसों के हाथ लग चुके हैं।
अब हमको नाकेबंदी और कड़ी करनी होगी, ताकि वे डिजाइन देश के बाहर न जा पाएं!
हमने गुफा की रेडियो-एक्टिविटी को दूर करने के लिए रुमानिया से मशहूर परमाणु विशेषज्ञ डॉक्टर 'सटन' को बुलाया है।
जब गुफा से रेडियो-विकिरण दूर हो जाएंगे, तब उसमें घुस कर असली बात का पता लग सकेगा।
उस गुफा में फैली रेडियो-एक्टिविटी के बारे में आपका क्या ख्याल है?
परमाणु परीक्षण और उस गुफा का कोई गहरा संबंध है, जनरल!
और अस्पताल में–
चंडिका कैसी है, डॉक्टर?
वैसी ही है! न तो इसकी हालत में कोई सुधार है, और न ही बिगाड़।
अभी रुमानिया से प्रसिद्ध परमाणु विशेषज्ञ, डॉक्टर सटन को बुलाया है। वे चंडिका का चेकअप भी...
डॉक्टर! कोई डॉक्टर सटन आपसे मिलना चाहते हैं!
ओह! डॉक्टर सटन आ भी गए।
वेलकम, डॉक्टर सटन! हमारे देश में पहली बार आने पर आपका हार्दिक स्वागत है।
आपके महान देश में आने पर मुझे भी बहुत खुशी है। पर मुझे इस बात का दुःख भी है कि मुझे एक दुर्घटना के कारण यहां आना पड़ा।

लेकिन आप चिन्ता न करें। मैं अपने पूरे साजो-सामान के साथ यहां आया हूं।
अब मुझे बताइए कि समस्या क्या है, और कहां पर है?
बाबा खान, भ्रम में पड़ा हुआ था।
पता नहीं ध्रुव जिंदा है या मर गया!
इदरी और शेखू की लाशों को तो हमने दफना दिया है। पर ध्रुव की लाश का कहीं पता नहीं चला।
मेरे ख्याल से इदरी और शेखू ने ध्रुव का काम तमाम करके, उसकी लाश को ठिकाने लगा दिया होगा...
...और बाद में आपस में झगड़ा हो जाने के कारण दोनों ने एक दूसरे का ही कत्ल कर दिया।
हो सकता है। लेकिन मेरी चिन्ता का कारण कुछ और ही है!
हमारी छिपने वाली गुफा पर कोई अंग्रेज डॉक्टर बड़ी-बड़ी मशीनों के साथ आ धमका है।
कहीं उसके हाथ, हमारी पते वाली डायरी लग गई तो मुश्किल हो जाएगी।
दिन भर डॉक्टर सटन के आदमी मशीनों की मदद से रेडियो-एक्टिविटी साफ करने में व्यस्त रहे—
दिन भर चंडिका को होश नहीं आया...
...और दिन भर, ध्रुव का कोई पता नहीं चला—
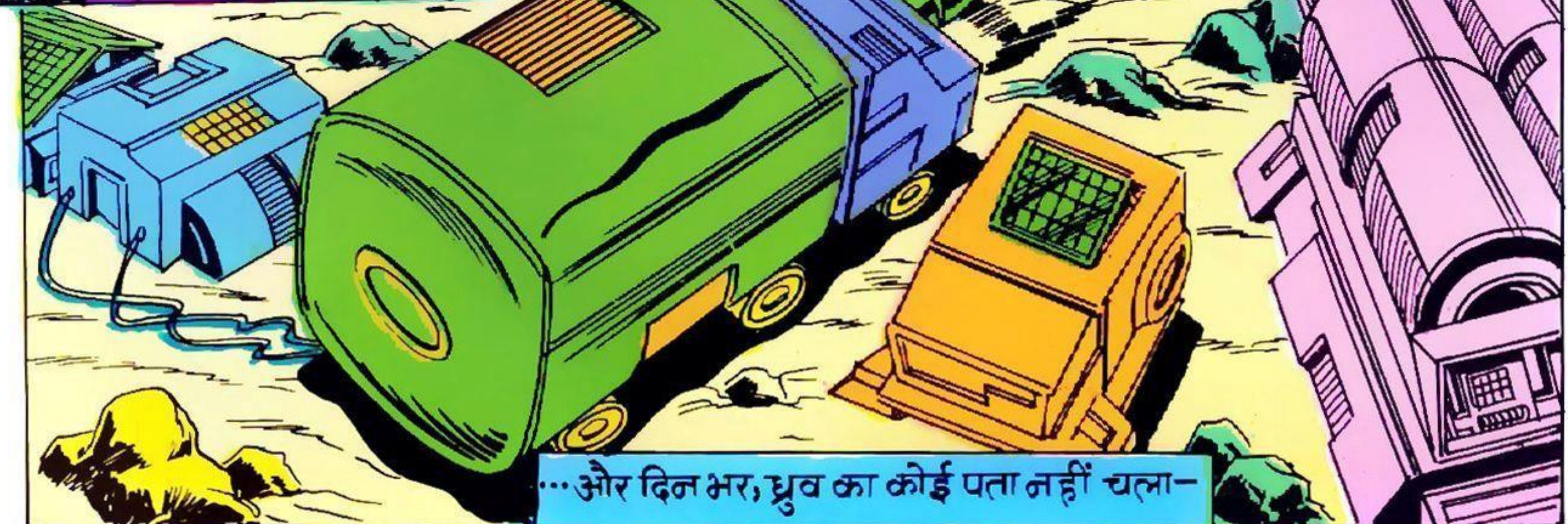
दिन भर की रोशनी शाम के अंधेरे में ढलने लगी।
इस लड़की की हालत तो आश्चर्यजनक है। आज तक मैंने ऐसा कभी नहीं देखा, कि रेडियो-एक्टिविटी से कपड़े बिना झुलसे शरीर से चिपक जाएं...
फिर भी, मैं इलाज तो कर ही रहा हूं!
यह श्वेता कहां चली गई! कल से उसकी कोई खबर नहीं है।
और ध्रुव भी कल रात से लापता है।
हे ईश्वर! मेरे बच्चों की रक्षा करना।
रात धीरे-धीरे और काली होने लगी।
और साथ ही, पूरे माहौल में एक अजीब सी शैतानियत घिरने लगी।
आज पेड़ों के उल्लू और घासों के झींगुर तक शांत थे।
अस्पताल
कुछ भयानक होने वाला था।
फिर- मूर्ति की तरह खड़े उस साए के शरीर में हरकत आई—
और इस हादसे की शुरुआत करने जा रहा था—
अस्पताल के बाहर खड़ा वह भयानक साया—
न जाने वह अस्पताल के अंदर से बाहर आया था—
या बाहर से अस्पताल के अंदर जाना चाहता था।
और उसके पैर, उसको उस गुफा की तरफ ले जाने लगे।

जिसके बाहर– दिनभर के काम के बाद, डॉक्टर सटन का एक आदमी, मशीनों की शायद सफाई कर रहा था –
अचानक उसको अपनी गर्दन में कुछ चुभता हुआ सा महसूस हुआ –
खच
और फिर– दर्द की एक तेज लहर ने उसके शरीर की हर कोशिका को हिला कर रख दिया।
खून को सर्द कर देने वाली, एक चीख, हवा को चीरती चली गई।
ईयाााऊऊ
वह साया तेजी से वापस पलटा।
और पलभर के लिए वह ठिठक गया।
उसका रास्ता रोककर खड़ा हुआ था...
सुपर कमांडो ध्रुव।
उस भयानक आकृति ने अपना रास्ता बदलने की कोई कोशिश नहीं की।
और ध्रुव को ऐसा लगा, जैसे सौ की स्पीड पर दौड़ते ट्रक ने उसे टक्कर मारी है।
उसका दिमाग हिल गया।
धड़ाक
उसके संभलने से पहले ही वह साया, न जाने कहां गायब हो चुका था।
अब ध्रुव, कराहते हुए डॉक्टर सटन के आदमी की तरफ पलटा-
और उसकी आंखें, अविश्वास से फैलती चली गईं।
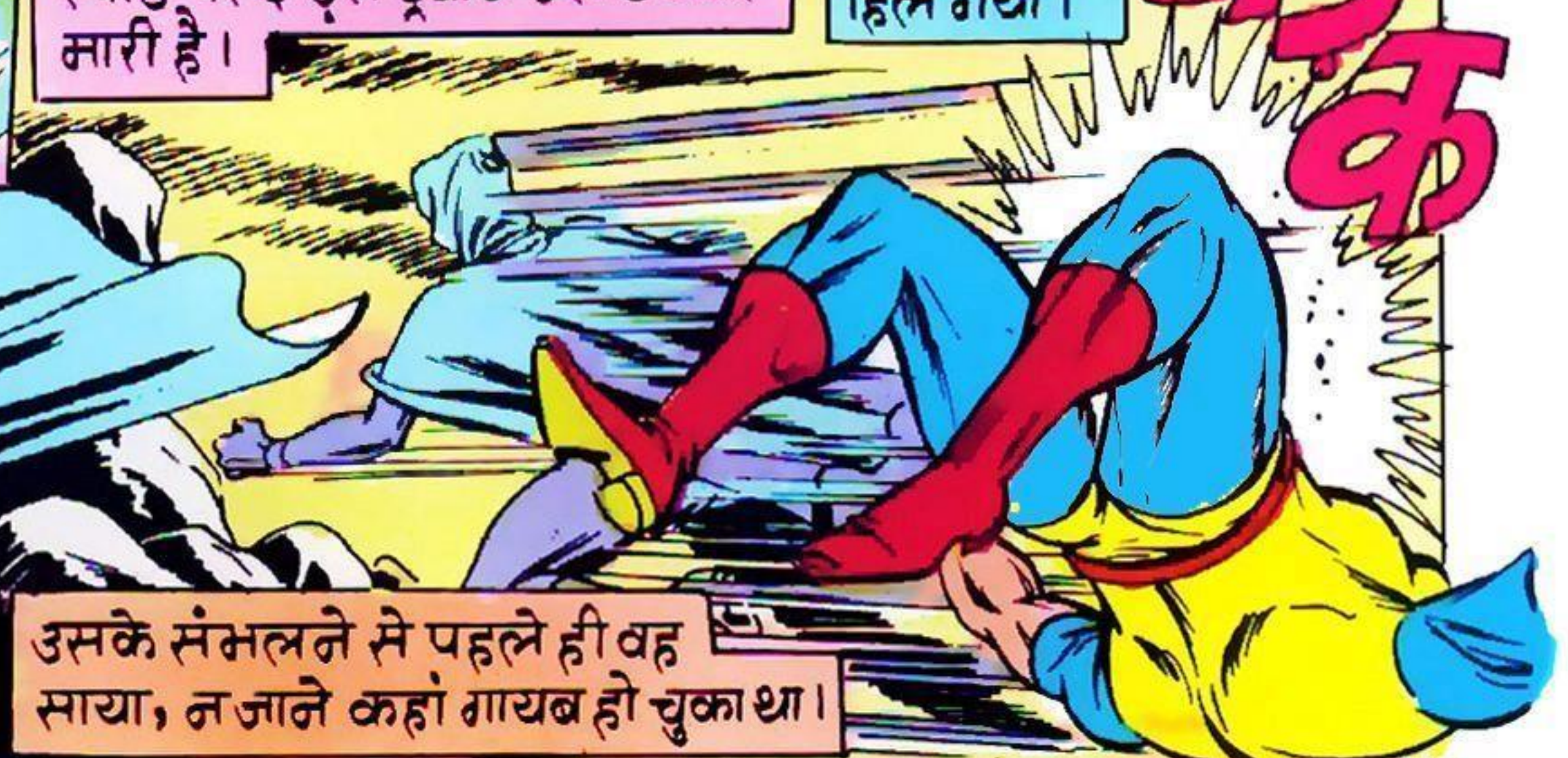
वह आदमी...
... हर गुजरते पल के साथ...
... इंसान से...
...शैतान बन रहा था।
बारवा
ध्रुव समझ नहीं पा रहा था कि यह सच है...
... या किसी बुरे सपने का एक हिस्सा।

गुफा पर नजर रखे बाबारवान और पेशावरी दहल उठे—
यह क्या है, बाबारवान?
प... पता नहीं, पेशावरी! लेकिन मेरा दिल मुझसे यहां से सौ की स्पीड पर भाग जाने को कह रहा है।
मेरा दिल, एक सौ पचास की स्पीड बता रहा है।
झाड़ियों में हो रही हलचल ने, उस शैतान का ध्यान खींच लिया—
और उसके हाथ, बिजली की गति से हरकत में आए।
बारव
बाबारवान बचाओ!
बाबारवान के हाथ में खंजर आ गए—
और फिर खंजर हवा में उड़ने लगे।
निशाना, 'बारवा' का सिर था—
और निशाना बिल्कुल सही था।
खच्च
सिर में कई खंजर जा धंसे।
लेकिन 'बारवा' के गले से हल्की सी गुर्राहट तक नहीं निकली—

पेशावरी की गर्दन पर दो दांत आ गड़े।
और साथ ही साथ उसके चेहरे पर भी वहशियत के भाव उभरने लगे।
चुस! चुस!
बाबा रवान ने वहां से भागने का फैसला तुरन्त कर लिया।
लेकिन ध्रुव ने इस मुसीबत से टकराने का फैसला कर लिया था।
धाड़.
चाहे इस फैसले का अंजाम हो...
... उसकी मौत।
तड़ाक्
एक ही वार से ध्रुव का पूरा शरीर झनझना गया—
और उसके संभल पाने से पहले ही पेशावरी के बदन से खून का एक-एक कतरा चूस लिया गया था।
लेकिन उसके मरे चेहरे पर भी, लंबे हो गए दांत साफ नजर आ रहे थे।
और नजर आ रही थी— स्टील की चमकती खोपड़ी!
यह क्या? यह तो उन जासूसों की टोली का ही सदस्य है।

यानि इन जासूसों के छिपने की जगह कहीं आसपास ही...
आह!
अब यह मेरा खून पीना चाहता है।
लेकिन जो सिर में खंजर घुसने के बाद भी नहीं मरा, उसका मुकाबला मैं कैसे करूंगा।
लेकिन यह आखिर है कौन?
और गुफा में मशीनों के साथ क्या कर रहा है?
ध्रुव को डॉक्टर सटन के आने के बारे में पता नहीं था।
बारवा की वहशियत, और खून की प्यास ने उसके अंदर एक जबर्दस्त फुर्ती भर दी थी।
बारवा
और आखिरकार – ध्रुव उसके चंगुल में आ ही गया।
ताजे खून से भीगे दांत उसकी गर्दन की तरफ भी बढ़ने लगे।
अपनी पूरी ताकत के इस्तेमाल के बावजूद भी, ध्रुव उसके चंगुल से छूट नहीं पा रहा था।
तभी बारवा की गर्दन से एक अजीबोगरीब रस्सी आ लिपटी।
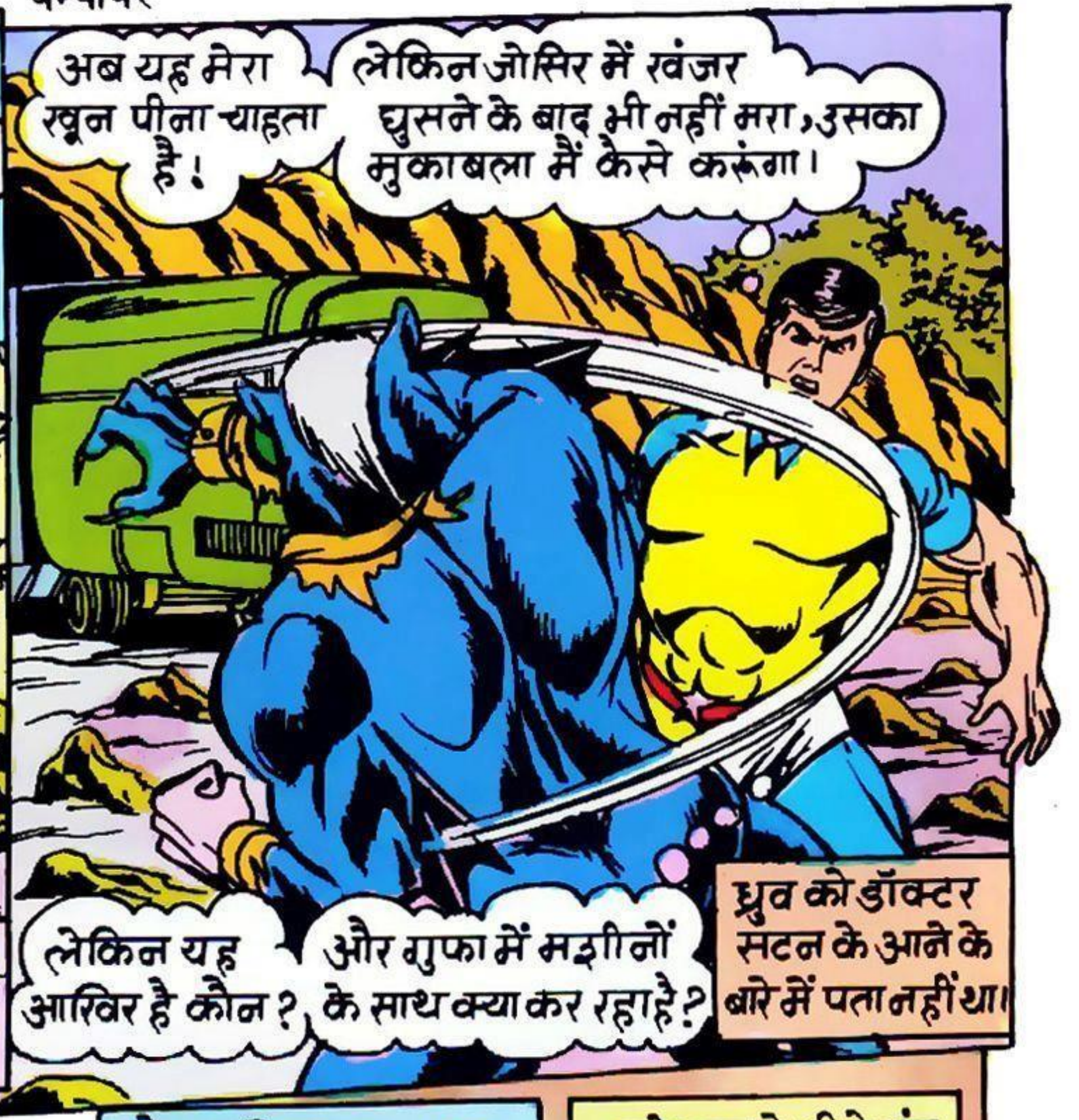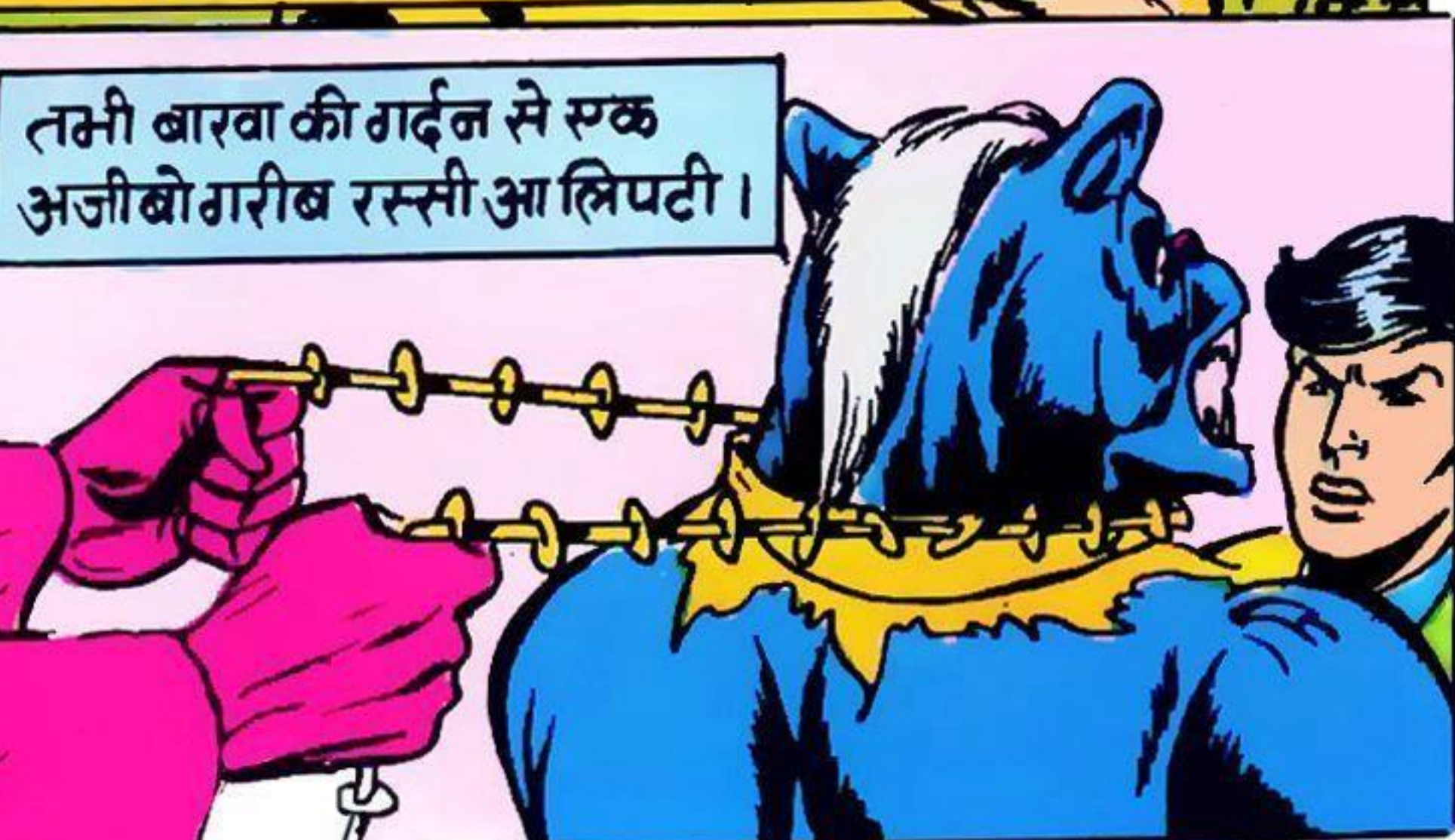
और 'बारवा' के खून पीने की इच्छा एकाएक समाप्त हो गई।
अब वह पिंजरें में बंद कैदी की तरह छटपटा रहा था।
ओह! तो ये तुम्हारा पालतू है! लेकिन अगर तुमको इसके हाथों से मेरी जान ही लेनी थी, तो तुमने किले में मुझे जिन्दा कैसे छोड़ दिया?
शाम को जब मुझे होश आया तो मैं खुद आश्चर्य चकित रह गया कि मैं जिंदा हूं।
लेकिन मैं तुम दोनों को ही यहां से जाने नहीं दूंगा।
धाड़.
तड़ंक
नहीं, ध्रुव! अगर यह इस बंधन से छूट गया तो...
बंधन से छूटते ही बारवा, बिजली की सी फुर्ती से अपने हमलावर की तरफ लपका—
लेकिन वह साया भी, बारवा का इरादा समझ चुका था।
बारवा
वह फुर्ती से एक तरफ हटा—
और बारवा के हाथ में उस साए का लबादा आ गया।
?
ध्रुव की आंखें आश्चर्य से फैलती चली गईं।
क्योंकि उसके सामने कोई बदसूरत चुड़ैल नहीं—
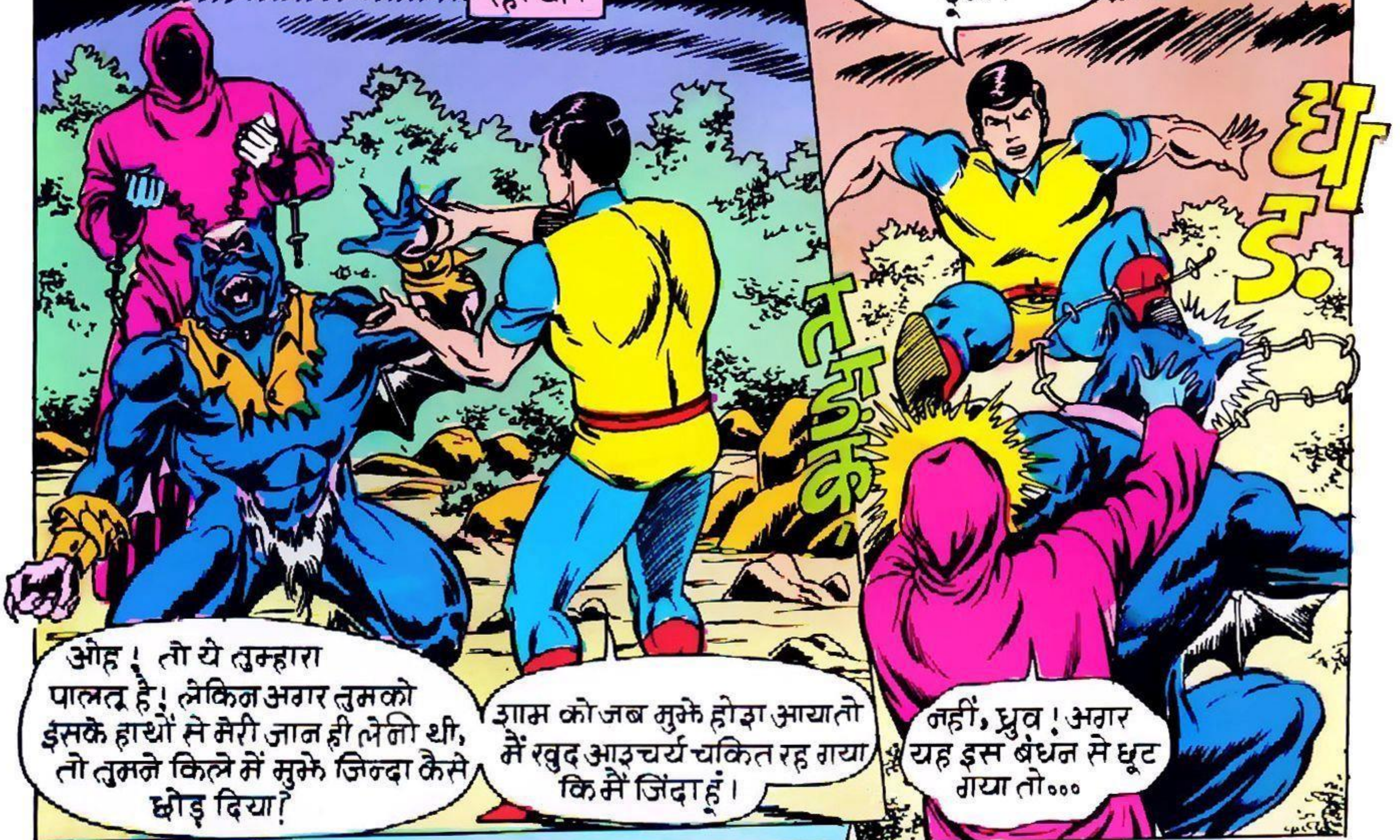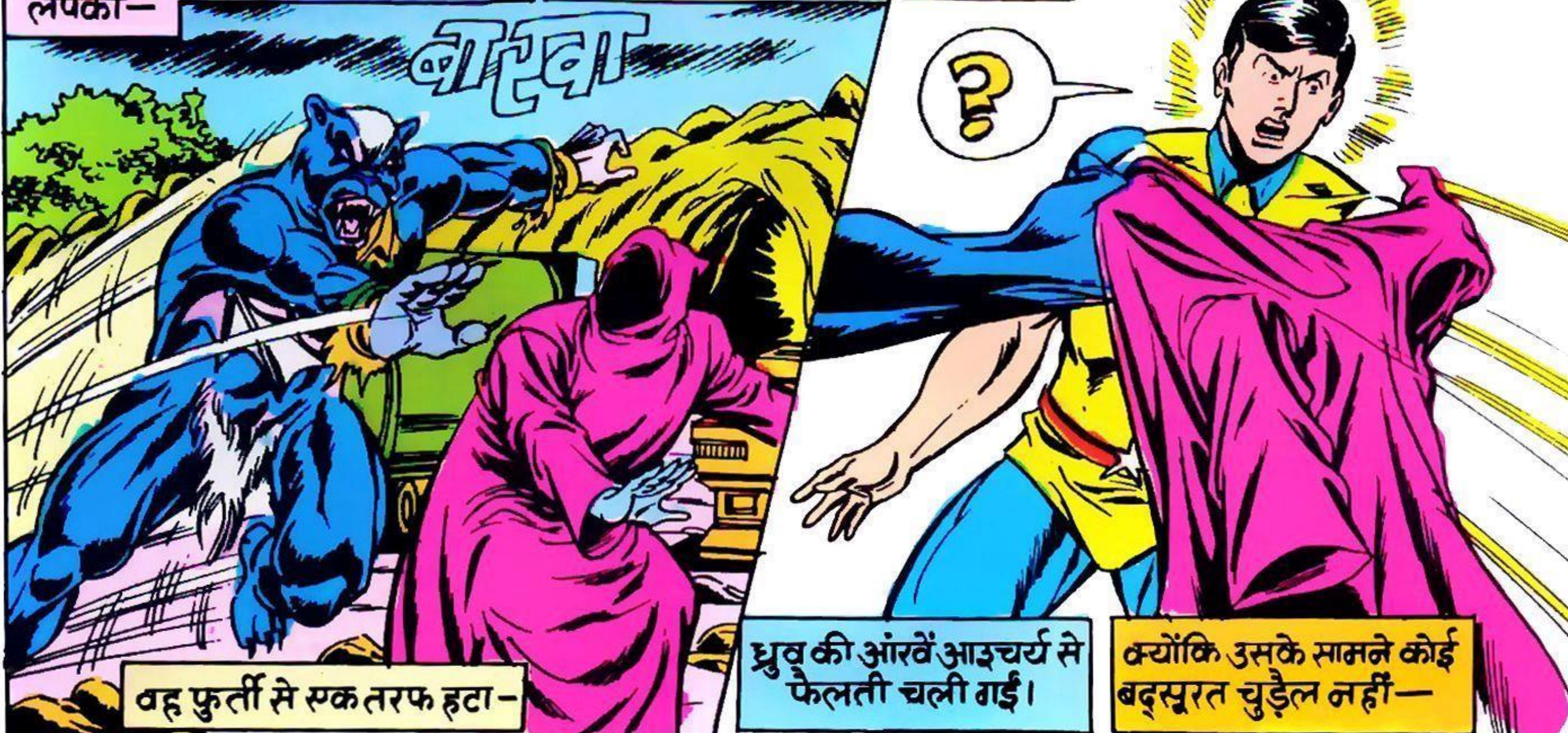
बल्कि एक खूबसूरत लड़की थी।

और बारवा उसको अपने चंगुल में कस चुका था।

ध्रुव को अपनी गलती का एहसास हो रहा था।

यह लड़की उसके कारण बारवा के चंगुल में फंसी थी।

इसीलिए उसको छुड़ाना ध्रुव का पहला फर्ज था।

इसको खत्म कर दो, ध्रुव! वर्ना यह सबके लिए आफत बन जाएगा।

यह कोई राक्षस नहीं, बल्कि इंसान है। मेरी आंखों के सामने एक रहस्यमय साए ने इसको राक्षस में तब्दील कर दिया है।

वह साया, जरूर वही वेम्पायर है, जिसकी तलाश में मैं यहां आई हूं।

वेम्पायर?

यह क्या होता है?

वेम्पायर ऐसे प्राणी होते हैं, जो मनुष्यों का खून पीकर युगों-युगों तक जिंदा रहते हैं।

और वे जिसका खून चख लेते हैं, वह खुद भी 'वेम्पायर' बन जाता है।

जिस साए ने इस आदमी का खून चखा, वह एक वेम्पायर था।

और इसका खून चखकर उसने इसे भी वेम्पायर बना दिया है।

अब यह जिसका खून चखेगा, वह भी वेम्पायर बन जाएगा।

ओह! इसने मेरे मानसिक बंधन को कच्चे धागे की तरह तोड़ डाला!

इसको खत्म करने का रास्ता सोचो, ध्रुव!

लेकिन इसको तो सिर में धंसे खंजर तक नहीं खत्म कर पाए!
मैं इसको कैसे खत्म करूंगा?
डॉक्टर सटन गुफा की तरफ ही आ रहे थे।
यह जोजो का बच्चा कहां मर गया?
मशीनें साफ करने में इतना समय लगता है क्या?
आज मैं इसकी वो...
यह क्या? जोजो! जोजो को क्या हो गया? क्या हुआ इसे?
और... और तुम दोनों कौन हो?
डॉक्टर सटन, ध्रुव और उस लड़की को तो नहीं पहचानते थे...
...लेकिन जोजो के कपड़ों के चिथड़े, उसकी पहचान बताने को पर्याप्त थे।
ध्रुव का ध्यान पलभर के लिए डॉक्टर सटन पर गया।
और वही उसके लिए महंगा पड़ गया—
धड़ाक
जोजो उर्फ बारवा ने उसे जमीन के साथ चिपका दिया।
और खून पीने को बेताब दांत, चमकने लगे।
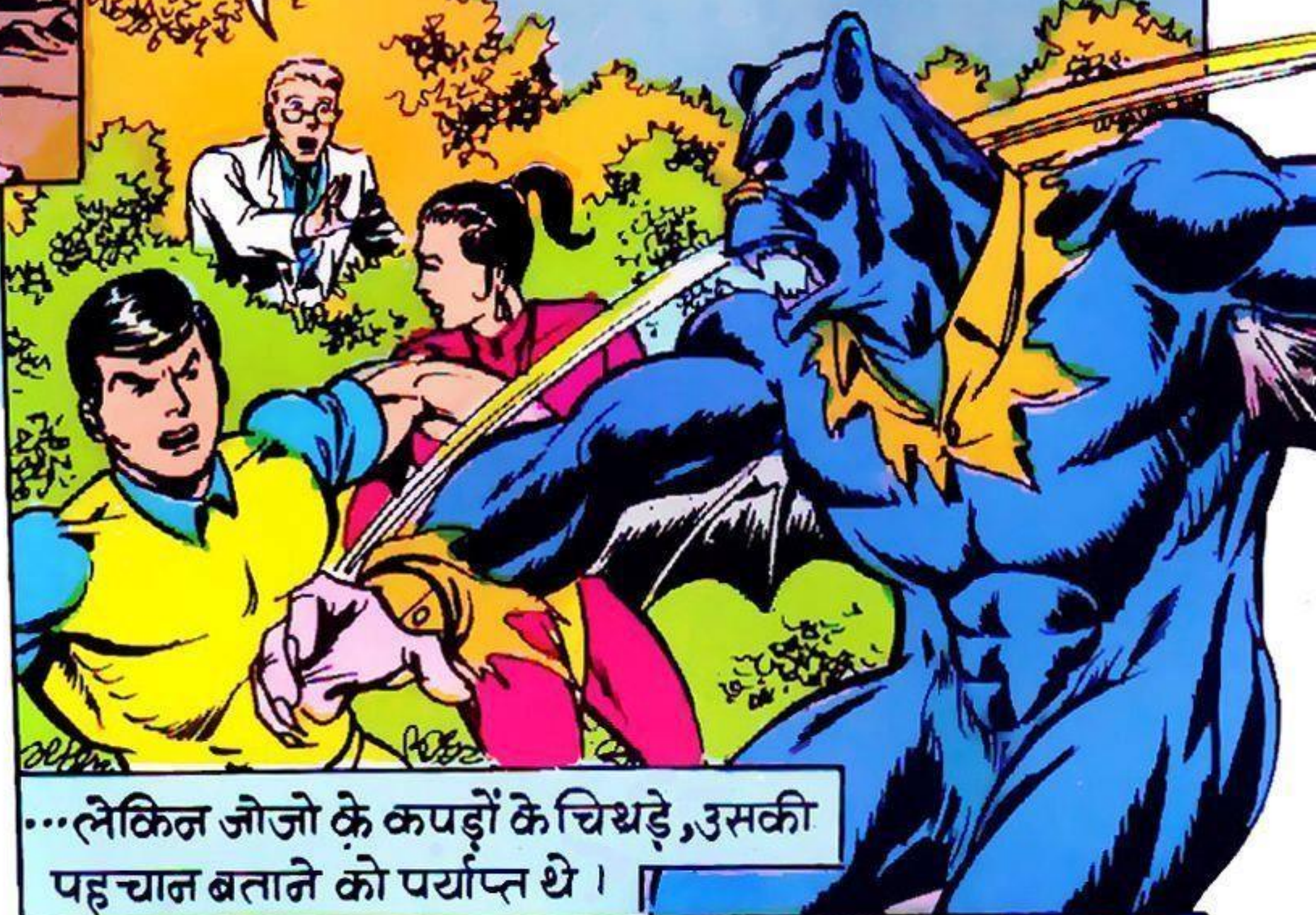
ओह! इस बार तो इसने मुझे कस कर दबोचा है!
और उस लड़की के मानसिक वार, इसको सिर्फ कुछ पलों के लिए ही हिला पा रहे हैं।
यह मेरा खून पीकर ही रहेगा?
और मैं इसको रोक नहीं...
तभी ध्रुव की आँखें चमक उठीं।
वह गुफा! रेडियो-एक्टिविटी से भरी गुफा! इसने चंडिका पर तो असर किया था...
...शायद इस पर भी गुफा की रेडियो-एक्टिविटी कुछ असर कर जाए!
अगले ही पल-ध्रुव चिल्लाया-
इस पर और तेजी से मानसिक वार करो।
जितना तेज वार कर सकती हो, करो।
उस रहस्यमय लड़की ने अपनी सारी मानसिक शक्तियों को एकत्रित किया-
बारवा की पकड़ ध्रुव पर जरा सी ढीली पड़ी-
और ध्रुव ने यह मौका नहीं खोया-
सांय
पलभर के बाद गुफा में से एक चीख उभरी-
बारवाऽऽऽ
बारवा की आखिरी चीख।
हवा में उड़ता हुआ, 'बारवा' का शरीर गुफा के अंदर जा गिरा।

डॉक्टर सटन, आश्चर्यचकित से ये सारा दृश्य देख रहे थे।
कौन हो तुम?
यही सवाल मैं आपसे पूछना चाहता हूं!
और वह लड़की?
अरे! वह लड़की कहां गई?
जब तक मुझे उसके बारे में पूरी जानकारी न मिल जाए...
... तब तक मैं भी उसके इस राज को राज ही रखूंगा!
ओह! वह शायद वापस चली गई!
वह अपना रहस्य किसी किसी को नहीं बताना चाहती होगी!
इस वक्त तो गुफा के अंदर जाकर, जोजो की हालत देख पाना भी संभव नहीं है!
पर तुमने मुझे अभी तक बताया नहीं कि तुम कौन हो!
पहले आप बताइए कि आप कौन हैं?
मैं डॉक्टर सटन हूं। परमाणु विशेषज्ञ। रूमानिया से गुफा में फैली रेडियो सक्रियता को दूर करने आया हूं। अब बताओ कि तुम कौन हो?
ध्रुव, डॉक्टर सटन को, किले वाला घटनाक्रम छोड़कर सारा किस्सा सुनाता चला गया–
क्या? वैम्पायर?...
आप वैम्पायरों के बारे में कैसे जानते हैं?
मैं रूमानिया में पला, बढ़ा! ध्रुव! और संसार के उस हिस्से में, वैम्पायर एक आम चीज है।
ओह! तो शायद आप इनको खत्म करने का रास्ता भी जानते होंगे।
नहीं! मैं कोई वैम्पायर विशेषज्ञ नहीं हूं।
लेकिन अभी हमारा पहला काम उस वैम्पायर को पकड़ना है, जिसने जोजो को वैम्पायर बनाया था!
वर्ना वह न जाने कितने लोगों को वैम्पायर बना देगा!

अभी तुम इस घटना का जिक्र किसी से मत करना, ध्रुव! अगर यह बात वैम्पायर तक पहुंच गई, तो वह सतर्क हो जाएगा।
और फिर उसको पकड़ना असंभव हो जाएगा।
ठीक है! मैं वैसा ही करूंगा, जैसा आप कह रहे हैं।
अब आप चलिए! मैं बाद में आता हूं।
ध्रुव के सामने कई नए रहस्य खड़े हो गए थे!
लेकिन फिर भी वह अपना मुख्य मकसद भूला नहीं था, और वह था जासूसों की तलाश!
'बारवा' बने जोजो ने जिसका खून पिया है, यह जासूसों की टोली का ही एक सदस्य है!
इसकी तलाशी लेने पर शायद ऐसी कोई चीज मिल जाए, जिससे कि इसके अड्डे का पता चल सके!
तभी- किसी ने धीरे से ध्रुव के कंधे को छुआ-
कौन?
ओह, तुम!!
मेरा नाम लोरी है, ध्रुव!
लेकिन तुम हो कौन?
किले में छुपकर क्यों रहती हो?
और ये अद्भुत मानसिक शक्तियां तुमको कैसे मिलीं?
मेरे परदादा यहां के राजा थे। और उनकी पटरानी थीं, एक अंग्रेज महिला! अंग्रेजों से हुई लड़ाई में मेरे परदादा हार गए और बन्दी बना लिए गए।
लेकिन परदादी को अंग्रेजों ने वापस इंगलैंड भेज दिया! वे उस वक्त गर्भवती थीं। मेरे दादा का जन्म इंगलैंड में ही हुआ! फिर मेरे पापा का!
एक दिन पापा ने बातों ही बातों में मुझे मेरे परदादा और किले के बारे में बताया-
मेरी उत्सुकता जाग उठी और मैं टूरिस्ट के रूप में यह किला देखने चली आई।

किले का दरवाजा बन्द था।

लेकिन मुझे पता था कि इस गुफा से एक गुप्त सुरंग, किले तक जाती है।

उसी रास्ते से मैं किले के अंदर आ गई।

किले की छानबीन के दौरान परदादा जी की लायब्रेरी में मुझे तंत्र, मंत्र, अतिमानवीय वस्तुओं यानि भूतप्रेतों, और मानसिक शक्तियों पर कई पुरानी और दुर्लभ किताबें मिलीं।

मैंने उसी समय फैसला कर लिया कि मैं यहीं पर रह कर इन शक्तियों को पाने का अभ्यास करूंगी।

मैं किले में पिछले दो सालों से, बिना किसी बाधा के साधना करती रही। और उससे मेरे अंदर कई तरह की मानसिक शक्तियां विकसित हो गईं।

वाह, तुम तो अनोखी लड़की हो, लोरी!

लेकिन तुमको रोजमर्रा के जरूरत की चीजें कैसे मिलती हैं?

मैं सुरंग के रास्ते से, बाजार जाकर, आम पर्यटकों की तरह खुद ही चीजें खरीद लाती हूं।

लेकिन पिछले छः महीनों से मुझे बाहर जाने की जरूरत ही नहीं पड़ी। क्योंकि मैं बहुत सारा सामान एक साथ खरीद लाई थी।

अभी कल मेरी साधना न जाने क्यों अपने आप भंग हो गई! मुझे एक शैतानी ताकत के आने का अहसास होने लगा।

और उसके बाद तुम किले में घुसे!

और मैं तुमको ही शैतान समझ बैठी।

लेकिन जब तुम बेहोश थे, तब मैंने तुम्हारे दिमाग को अपनी मानसिक शक्तियों से पढ़ा।

और मुझे तुम्हारे बारे में सब कुछ पता चल गया। लेकिन तुम मुझे बार-बार जासूस क्यों कह रहे थे?

ध्रुव ने लोरी को सारा वाकया सुना दिया।

अच्छा! यानि किले की गुप्त सुरंग के बीच में से, नीचे जाती एक नई सुरंग इन जासूसों ने ही खोदी है!
नई सुरंग?
हां! और मुझे यकीन है कि वह सुरंग परमाणु यंत्र तक जाती होगी!
खैर, वे जासूस बचकर कहां जाएंगे? इस वक्त तो हमारी चिंता उससे कहीं बड़ी है।..
असली वैम्पायर को ढूंढने की चिन्ता।
लेकिन उसको ढूंढ कर हम उसका क्या करेंगे?
उसको मारा तो जा ही नहीं सकता!
कोई न कोई रास्ता तो जरूर होगा! मैं वह रास्ता पता कर लूंगी।
लेकिन वैम्पायर को पकड़ने के लिए मुझे तुम्हारी मदद की जरूरत है।
मैं यहां पर रहकर स्थिति पर नजर नहीं रख सकती! इसीलिए यह काम तुमको करना होगा!
मगर वैम्पायर का पता चलने पर मैं तुमको बुलाऊंगा कैसे?
तुम सिर्फ मेरे बारे में सोचना!
मैं खुद ब खुद जान जाऊंगी।
अब मैं चलती हूं। वैम्पायर को खत्म करने का रास्ता तलाश करना है!
अगले दिन भी, मशीनें रेडियो सक्रियता दूर करने की कोशिश करती रहीं।
लेकिन जोजो की लाश का कहीं पता नहीं चला-
चंडिका की स्थिति में भी कोई बदलाव नहीं आया।
और बाबाखान को सबूत नष्ट करने का कोई मौका नहीं मिला-
कहीं गुफा में रखी डिजाइनें और मेरी पते वाली डायरी इनके हाथ न लग जाए।

शाम फिर से गहराने लगी।
और वैम्पायर का अब तक कोई पता नहीं था!
वैम्पायर का अगर पता नहीं चला, तो गजब हो जाएगा, ध्रुव!
इस शहर पर कयामत टूट पड़ेगी।
मैं अभी आता हूं, चीफ!
बैठे, बैठे बोर हो गया!
जल्दी आना, टिमोटी!
कहीं वैम्पायर तुमको ही न पकड़ ले।
डोंटवरी, चीफ!
मैं यूं गया, और यूं आया।
टिमोटी गया तो जरूर—
लेकिन वापस आई...
... उसकी चीख।
ओह! यह तो टिमोटी की आवाज है।
दोनों, आवाज की दिशा में भागे।
ईयाया या या या य ऊ ऊ ऊ ऊ ऊ
और आश्चर्य से जड़ हो गए—
टिमोटी की गर्दन में दांत गड़ाए खड़ा था—
वैम्पायर!

वेम्पायर का काम हो चुका था—
वह वापस भागने के लिए पलटा ।
वेम्पायर, ध्रुव की तरफ लपका—
और ध्रुव की टांग ने उसे रास्ते में ही रोक लिया।
धड़ाक
वेम्पायर की नकाब को बांधे रखने वाली रस्सी खुल गई।
लेकिन इस बार ध्रुव ने उसको न भागने देने की कसम खाई थी।
वेम्पायर गुर्राकर ध्रुव की तरफ पलटा—
चंडिका लपकी—
और उसके लंबे दांत ध्रुव की गर्दन में आ धंसे।
य... यह क्या? वेम्पायर चंडिका ने तुम्हारा खून चख लिया है, ध्रुव!
यानि... अब तुम भी 'वेम्पायर' बन जाओगे?
और ध्रुव को, अपनी जिंदगी का सबसे बड़ा झटका लगा—
गर्र
चंडिका!
तुम ही वेम्पायर?
मेरी मरीज चंडिका ही वेम्पायर है!!
इससे पहले कि आश्चर्य से जड़ हो गया ध्रुव कुछ समझ पाता—

ध्रुव के कुछ जवाब दे पाने से पहले ही–
चंडिका का शरीर, एक तेज कंपकंपाहट के साथ जमीन पर आ गिरा–
और साथ ही साथ– हवा में एक वहशी गुर्राहट उभरी।
भुर्रा! भुर्रा!...
भुर्रा!
'भुर्रा' बना टिमोटी, चंडिका की तरफ लपका–
तड़ाक
टिमोटी! टिमोटी भी वैम्पायर बन गया!
वैम्पायर भुर्रा!
लेकिन ध्रुव ने उसे बीच में ही रोक लिया–
मैं तुम्हें चंडिका को कोई नुकसान पहुंचाने नहीं दूंगा।
जल्दी ही मुझमें भी बदलाव शुरू हो जाएगा, और उसके बाद मैं शायद अपने काबू में न रहूं।
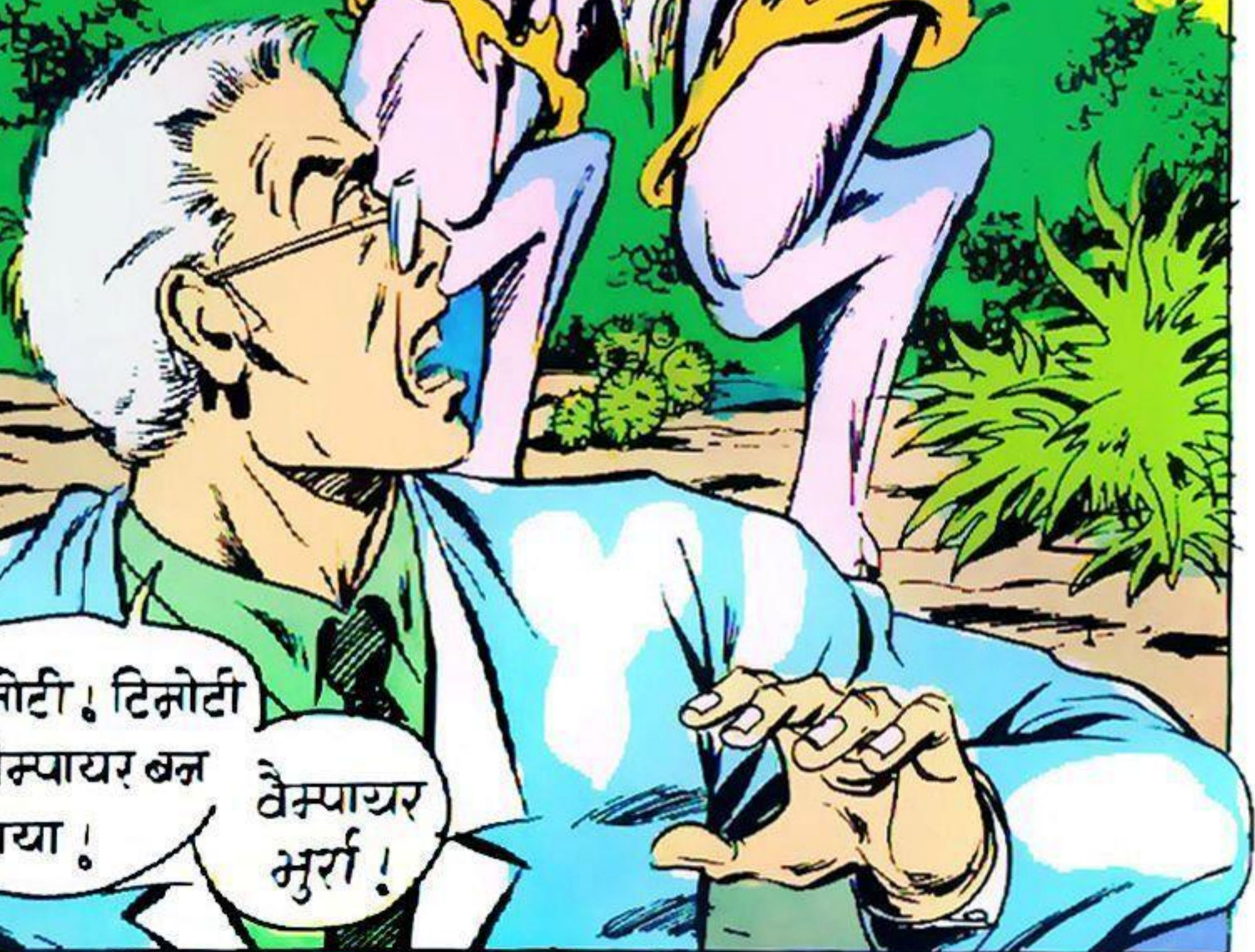
लेकिन इससे पहले मैं तुम्हे रोक कर...
आह!
ताड़!
ध्रुव के वार, पिछली बार की तरह ही बेकार साबित हो रहे थे।
उसकी गर्दन, भुर्रा के शिकंजे में फंस चुकी थी।
उसका दिमाग चीख उठा।
लोरी!
और उसकी मुट्ठी में मिट्टी भर गई।
इंसान हो या इंसानी खून पीने वाला वैम्पायर—
आंखें हमेशा, शरीर का सबसे कोमल अंग होती हैं।
शिकंजा ढीला पड़ते ही ध्रुव ने, भुर्रा को उछाल फेंका—
खचाक
भुर्रा एक लंबी और नुकीली चट्टान पर, पेट के बल गिरा—
डॉक्टरी विज्ञान के अनुसार उसे मर जाना चाहिए था।

लेकिन तंत्र विज्ञान कुछ और ही कहता था—

भुर्र..

ध्रुव के बदन से एक चट्टानी घूंसा आ टकराया—

धाड

लेकिन इससे पहले कि भुर्रा, ध्रुव को कुछ और नुकसान पहुंचा सकता—

वह खुद उछलकर दूर जा गिरा—

तड़ाक

लोरी, घटनास्थल पर आ चुकी थी।

वैम्पायरों को इस लहसुन की माला से बांधा जा सकता है, ध्रुव!

पर इसको खत्म करने का सिर्फ एक ही तरीका है।

कि यह नुकीली लकड़ी, इसके दिल के आर-पार कर दी जाए।

यह अब इंसान नहीं रहा! इसीलिए इसको खत्म करने में मुझे कोई हिचकिचाहट नहीं है।

भुर्रा के आगे बढ़े हाथ को छकाता हुआ–
लकड़ी का नुकीला सिरा उसके दिल वाली जगह पर, गहराई से जा धंसा।
खचाक्
लेकिन भुर्रा फिर भी खड़ा रहा–
तुम्हारा सोचना गलत है, लोरी! इसको मंत्रित्र रस्सी से बांधने की कोशिश करो।
मेरी जानकारी सही है, ध्रुव! मेरे ख्याल से इस वैम्पायर का दिल, सीने में न होकर कहीं और है।
तुम इसको मंत्रित्र रस्सी से बांधो!
और मैं इसके दिल का पता लगाता हूं।
लोरी के सधे हाथों का फंदा भुर्रा के गले में जा फंसा–
भुर्र
लेकिन भुर्रा का तड़पना जारी रहा।
रुको ध्रुव! मैं इसको बेहोशी का इंजेक्शन लगा देता हूं।
उसके बाद आराम से इसके दिल वाली जगह का पता लगा लेंगे।
ध्रुव के रोक पाने से पहले ही डॉक्टर सटन आगे बढ़े।
और एक पत्थर से उनका पैर टकरा गया…
फंदा टूट गया…
…और लोरी पर कुछ देर के लिए बेहोशी छा गई।
और भुर्रा आजाद हो गया।
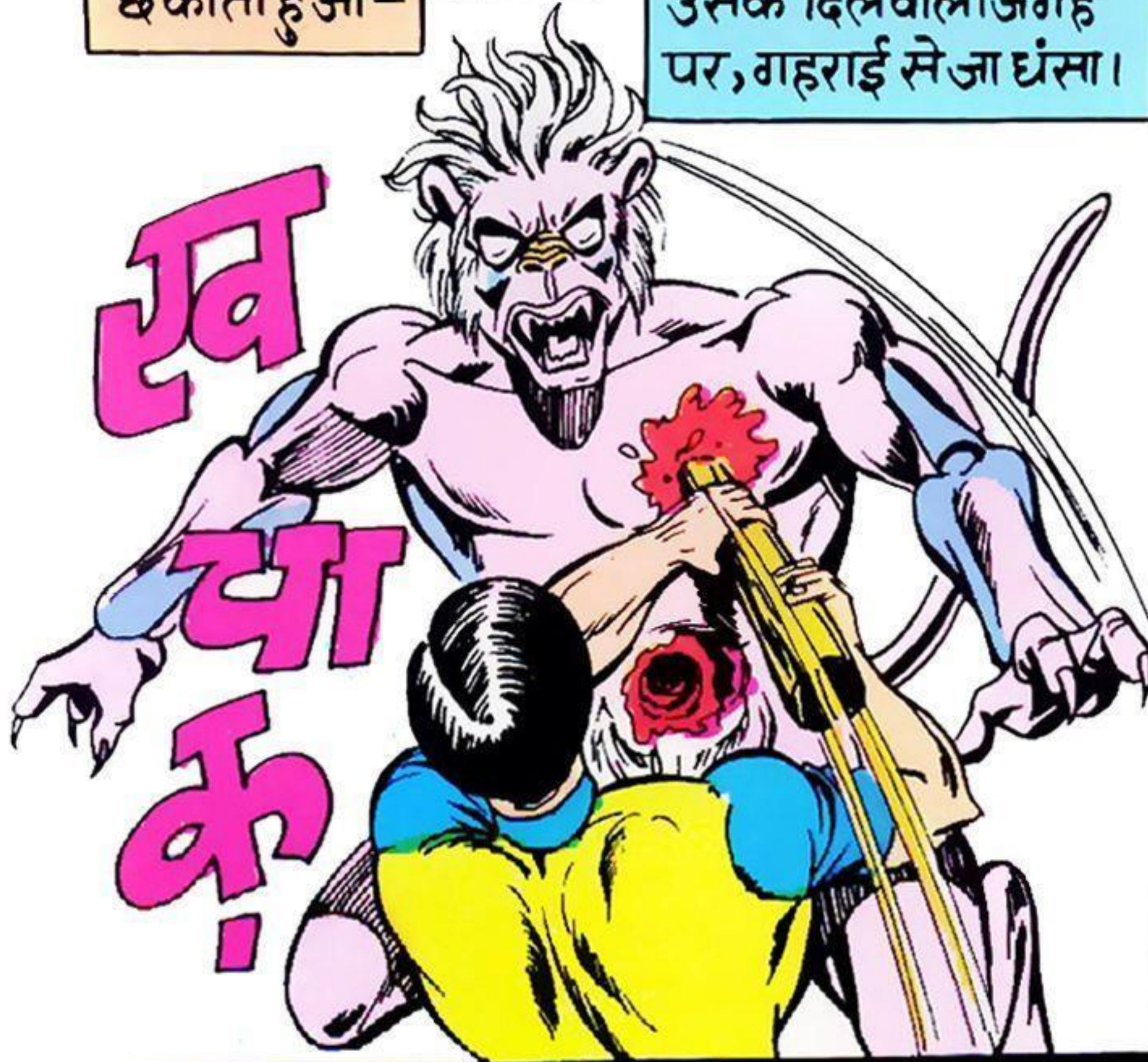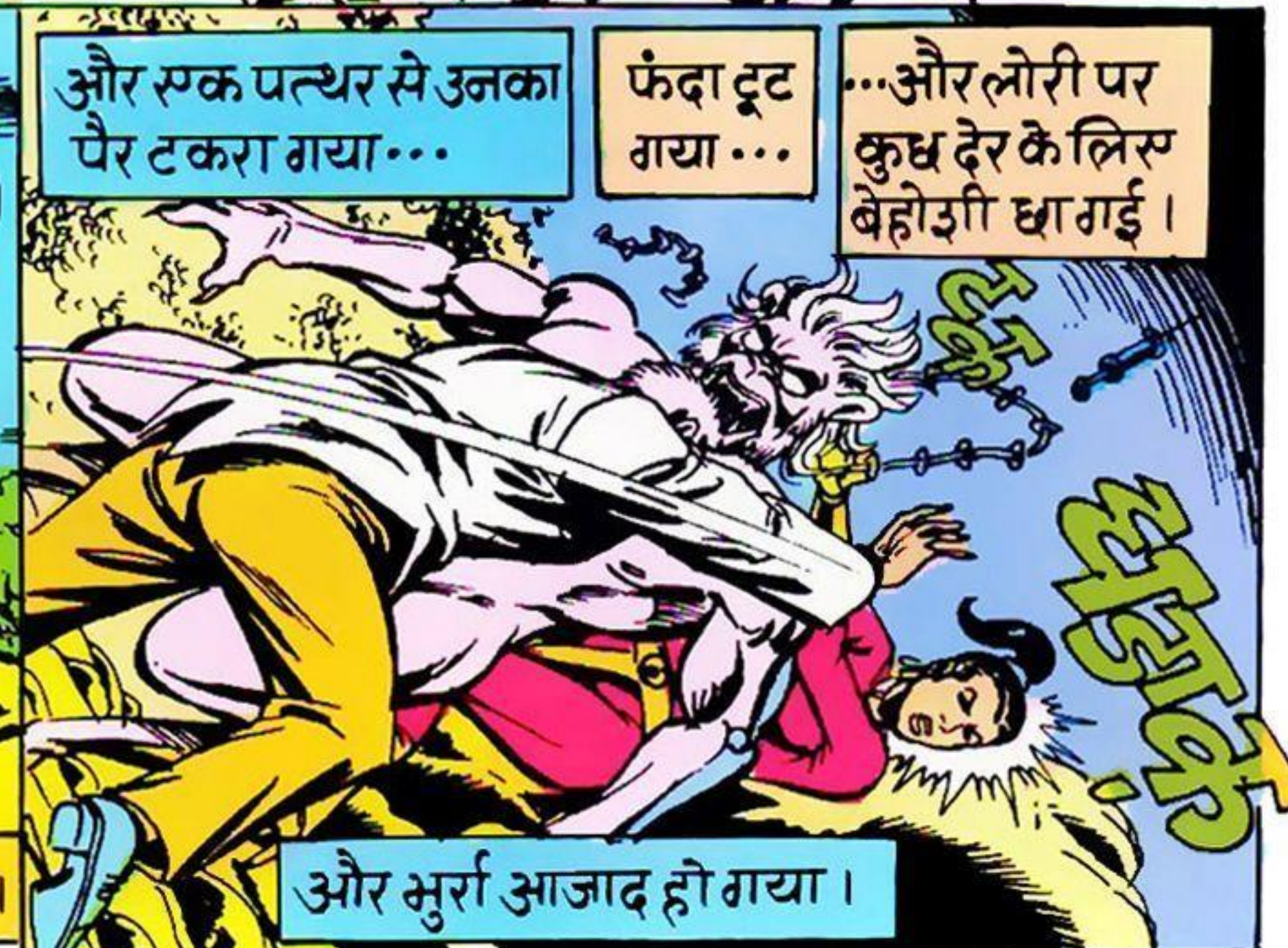
ध्रुव के हाथ से लकड़ी का लंबा खूंटा दूर जा गिरा —

उसने बेहोश चंडिका को हवा में उठा लिया —

और ध्रुव के पास खूंटे को ढूंढ़ने का वक्त नहीं था —

धाड़।
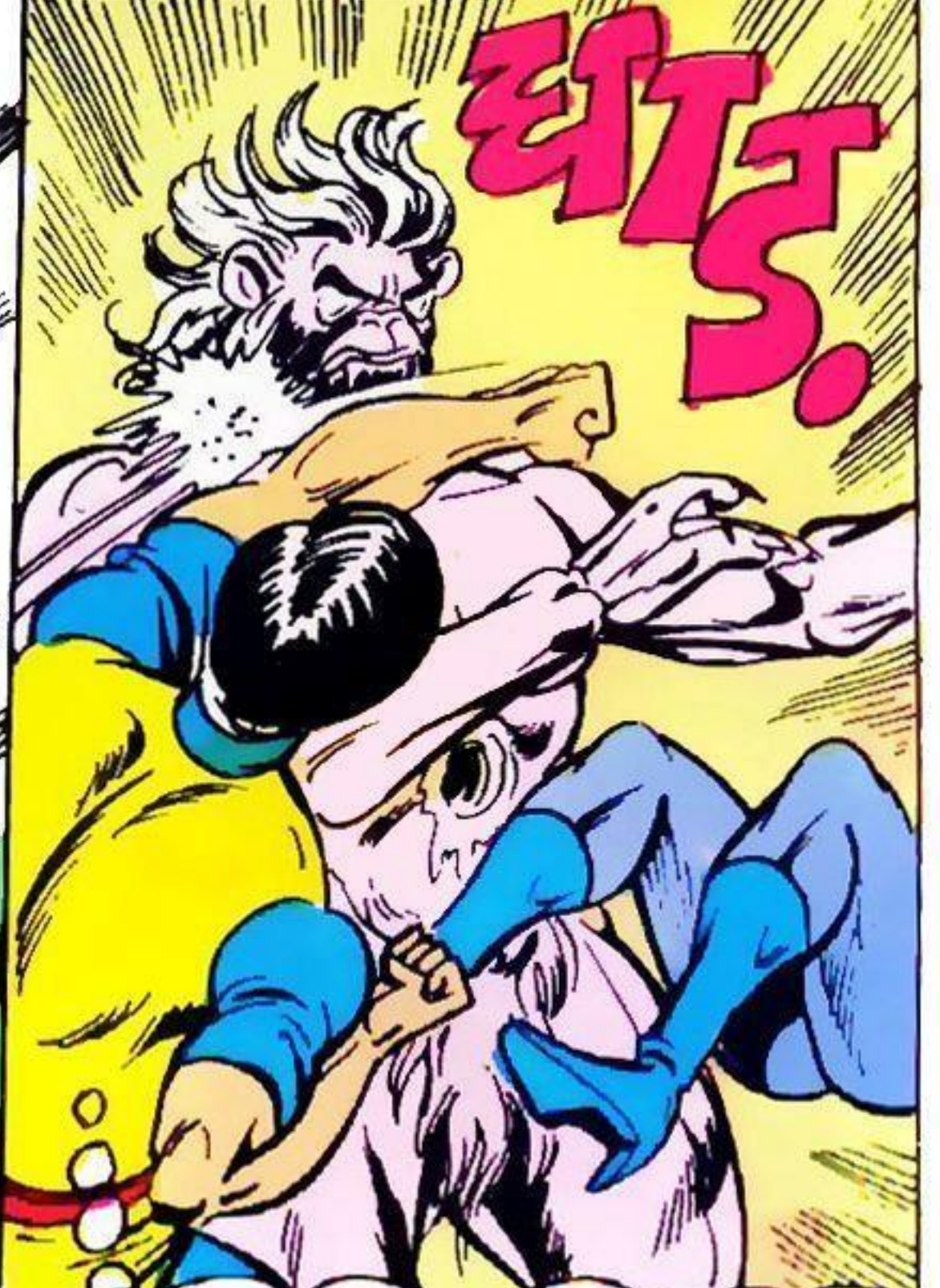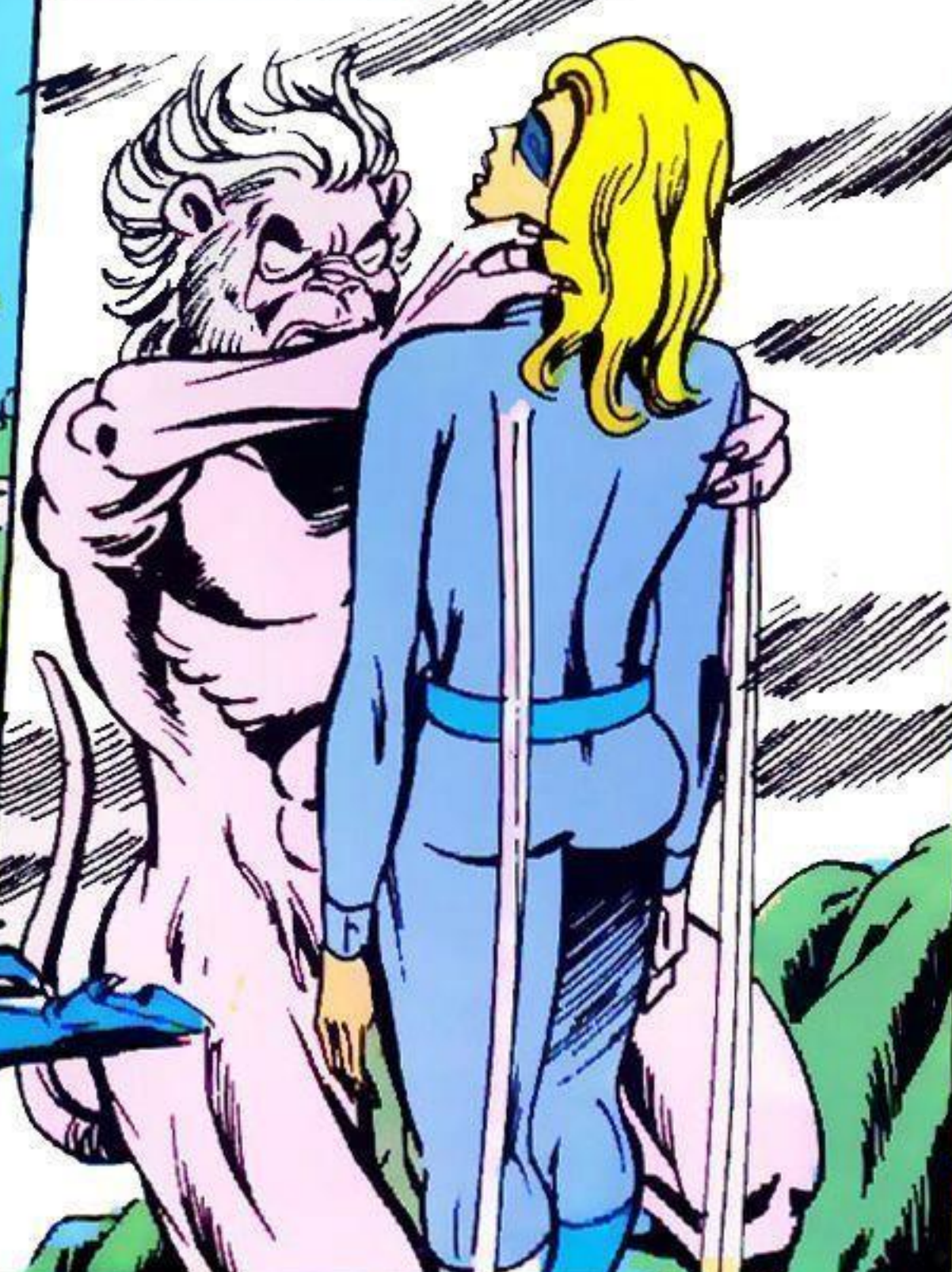
और, भुर्रा, ध्रुव और लोरी को भूल कर चंडिका की तरफ बढ़ा —

एक हल्के से झटके से ही चंडिका की गर्दन का टूट जाना निश्चित था —

सबसे पहले इसके दिल का पता लगाना होगा।

और उसके लिए मुझे दूसरा तरीका अपनाना होगा।

वहशियत भरा तरीका!

ध्रुव पागलों की तरह भुर्रा पर टूट पड़ा।

क्या ध्रुव पर, चंडिका के काटने का असर हो रहा था?

या उसका मकसद कुछ और था।

धड़ धड़

मेरे हर वार के साथ इसके दिल की धड़कन बढ़ती जा रही है।

और इसके शरीर के पास रहने से...

धड़

...मुझे धड़कन के जरिए, इसके दिल की जगह का पता लग सकता...

मिल गया!

धड़ धड़

इसका दिल इसके पेट के दाईं तरफ...

आह!

धम्म
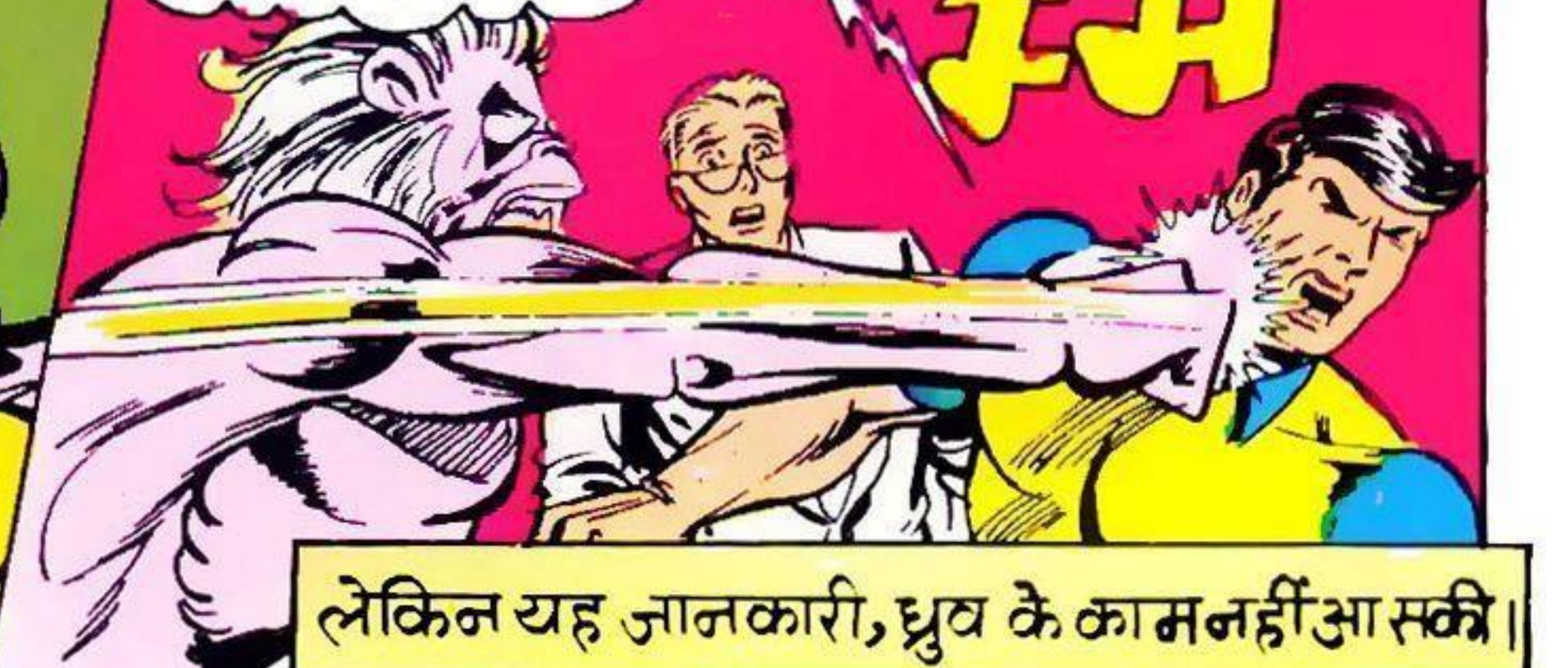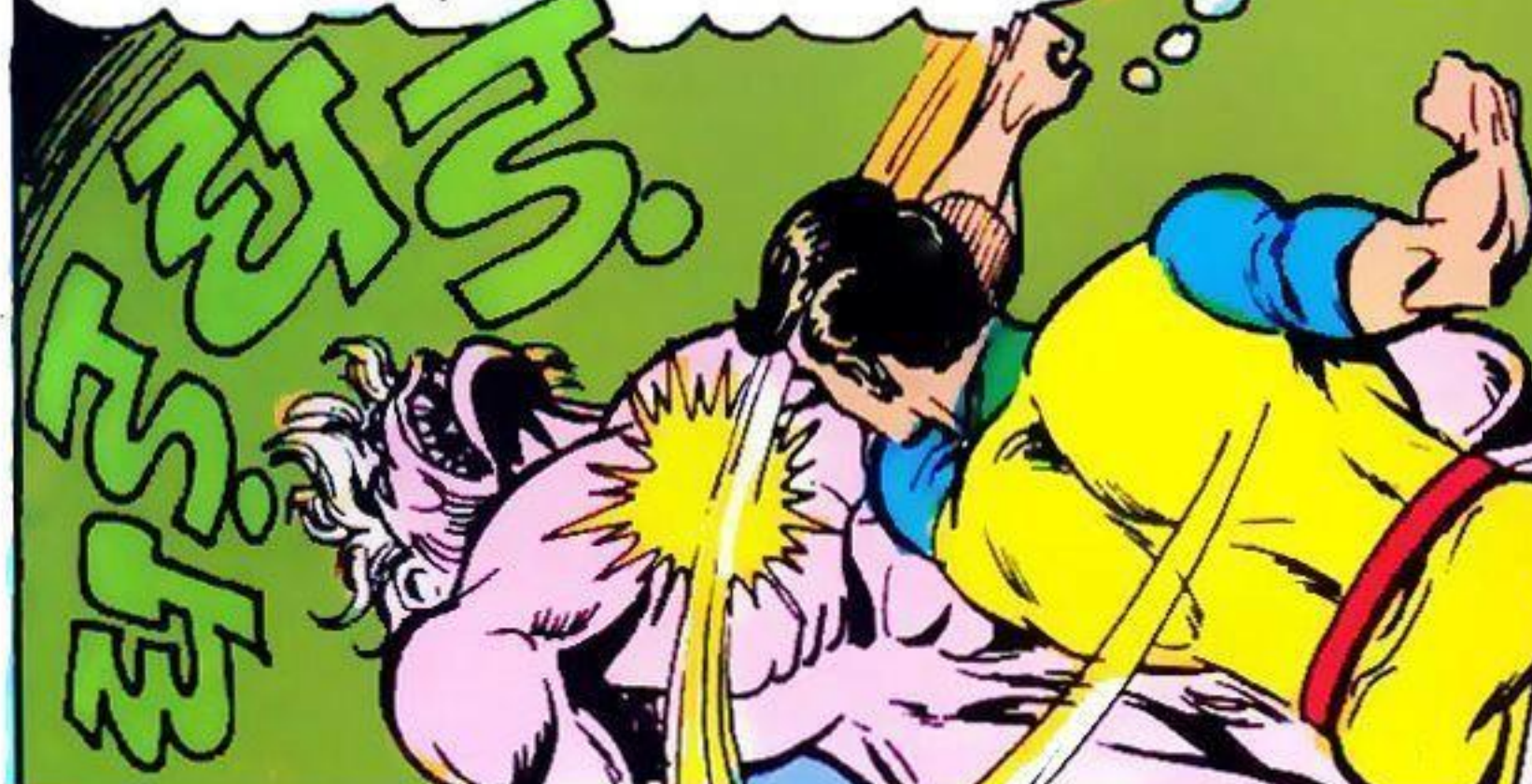
लेकिन यह जानकारी, ध्रुव के काम नहीं आ सकी।

भुर्रा ने उसको दबोच लिया। ध्रुव की सांस घुटने लगी।
बेचैनी में उसने अपना हाथ जमीन पर पटका—
और उसके हाथ में उसकी किस्मत आ गई।
लकड़ी का खूंटा चट्टानों के बीच छिपा हुआ था।
एक ही झटके में ध्रुव ने, लकड़ी का नुकीला सिरा पेट के आर-पार कर दिया—
भुर्र
भचाक
और एक ही चीख के साथ—
भुर्रा का शरीर लकड़ी के खूंटे से निकली, आग की लपटों में घिर गया—
कुछ ही पलों बाद- राख के अलावा वहां पर कुछ नहीं था—
आश्चर्य मत करो, ध्रुव!
वैम्पायरों का अंत ऐसे ही होता है।
मुझे आश्चर्य दूसरी बात का है, लोरी!
और वह यह, कि वैम्पायर बनी चंडिका के काटने के बाद भी, मैं वैम्पायर क्यों नहीं बना?
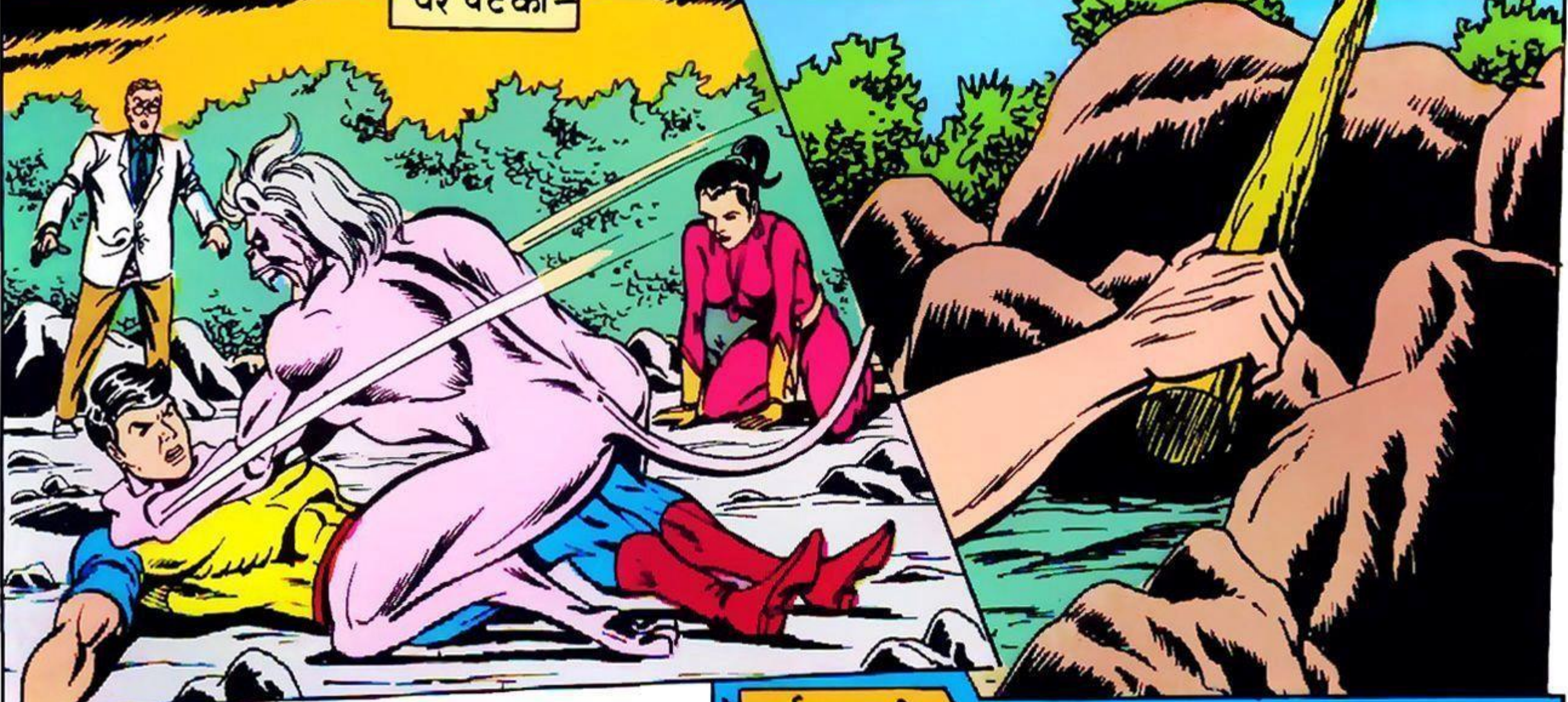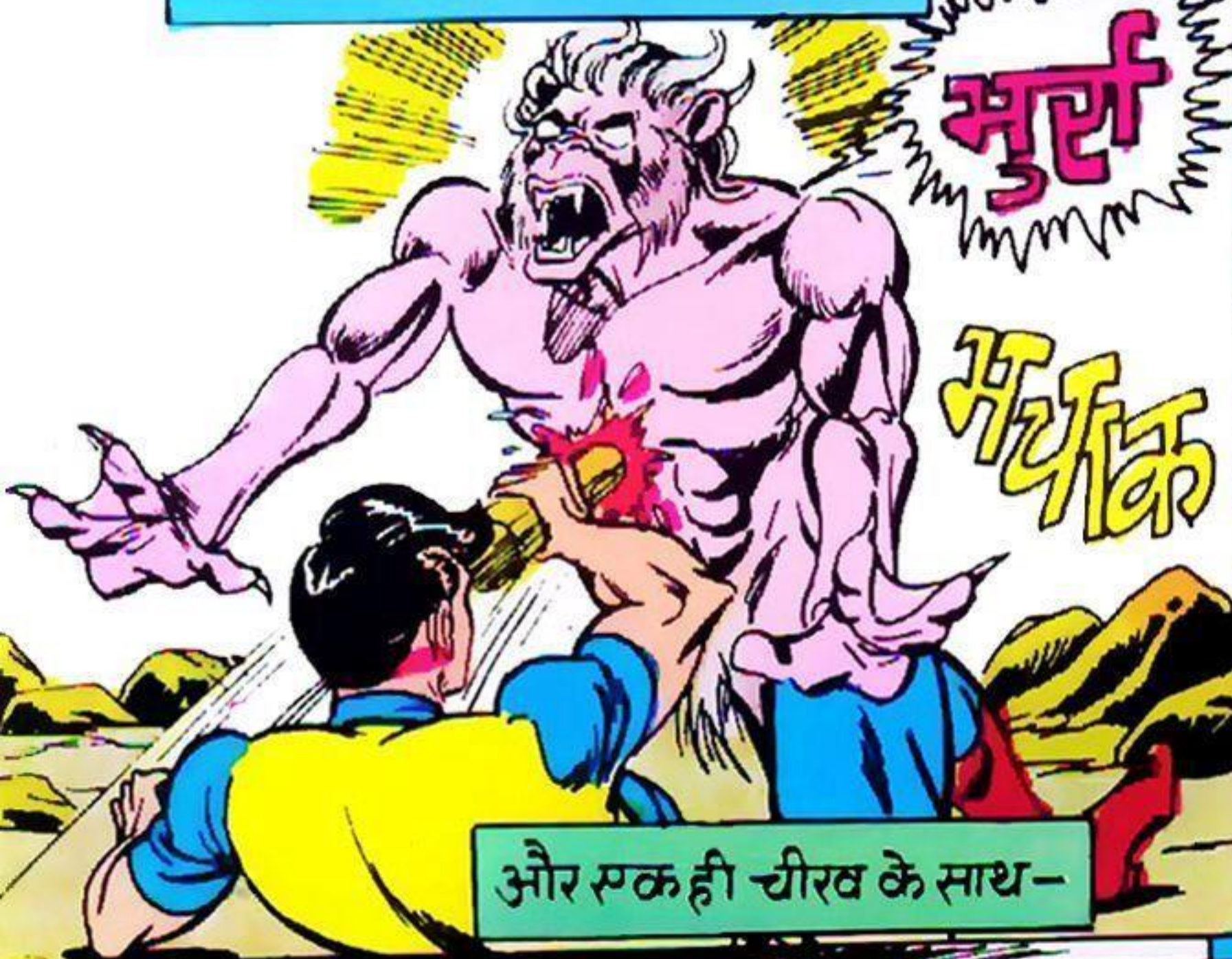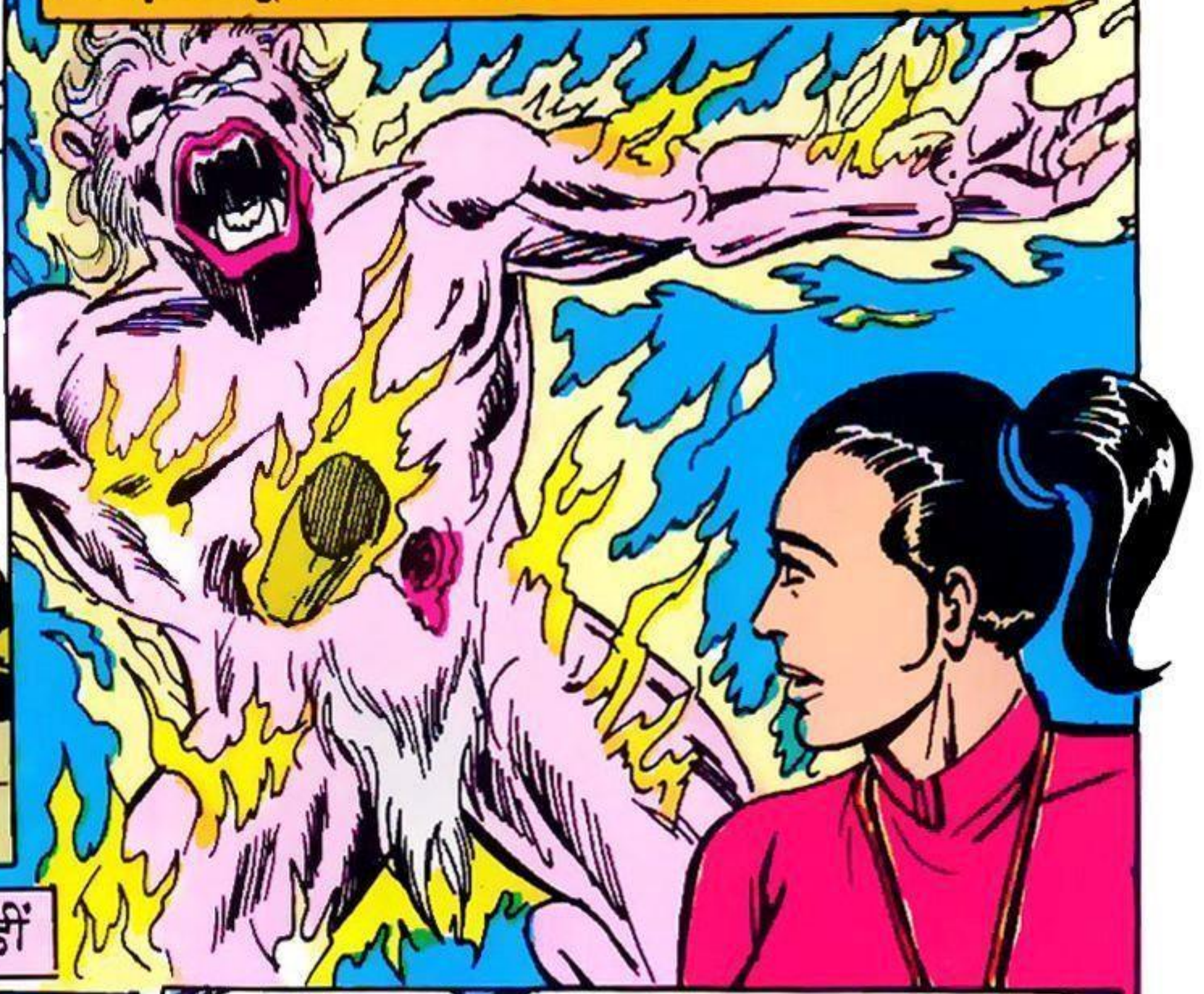
चंडिका की हालत के बारे में जान-कर, सब सन्नाटे में आ गए–

डॉक्टर सटन और ध्रुव की बात पर अविश्वास करने का कोई कारण नहीं था।

अगर यह सब सच है, तो इसको खत्म कर देना ही उचित होगा! क्योंकि इस हालत का कोई इलाज नहीं है!

हां, वर्ना हममें से कोई भी वैम्पायर बन सकता है।

लेकिन मैं तो वैम्पायर नहीं बना!

इसके दांत तुम्हारा खून नहीं पी पाए होंगे, ध्रुव! वर्ना तुम भी नहीं बचते!

इसको जिंदा छोड़ने का मतलब होगा, कई जानों को खतरे में डालना!

आप ठीक कह रहे हैं, डॉक्टर सटन!

अगर आज शाम तक इसकी हालत में कोई बदलाव नहीं आया, तो हम इसे खत्म कर देंगे।

लेकिन लोरी को कहीं पर कुछ गड़बड़ लग रही थी।

चंडिका इस गुफा में घुसने के बाद ही वैम्पायर बनी थी!

लेकिन उसके बाद तो इसमें डॉ० सटन के आदमी भी घुसे थे! उनको कुछ क्यों नहीं हुआ?

जवाब पाने के लिए मुझे गुफा के अंदर जाना ही पड़ेगा!

चाहे उसका अंजाम कुछ भी हो!

लोरी जो गुफा में घुसी–

तो शाम तक बाहर नहीं आई।

सूरज डूब रहा है, डॉक्टर सटन! चंडिका को खत्म कर दो...

अस्पताल

वर्ना रात होते ही यह फिर उठ खड़ी होगी!

इस नुकीली लकड़ी से इसका दिल भेदकर इसे मारा जा सकता है।

इस पाप के लिए ईश्वर मुझे माफ करे!

लकड़ी का नुकीला सिरा नीचे गिरने से पहले ही··
··डॉक्टर सटन के हाथ से दूर जा गिरा।
तड़.
नहीं!
शैतान चंडिका नहीं···
'तुम' हो डॉक्टर सटन!
या तुम्हारा कोई और नाम है?
तो तू मेरा रहस्य जान गई है!
अब तू नहीं बचेगी! इस शहर का कोई इंसान नहीं बचेगा! अब सब बनेंगे··· वेम्पायर!
तड़ाक
वार्ड नं० 13
यह सब क्या हो रहा है, लोरी?
बताती हूं! लेकिन उससे पहले इसे पकड़ना जरूरी है!
आओ, ध्रुव!
पर लोरी और ध्रुव के पहुंचने तक डॉक्टर सटन तैयार हो चुका था।
मेरे वैम्पायरों का सबसे पहला शिकार तुम दोनों बनोगे। और फिर यह पूरा शहर।
तेरे हवाई किलों को तोड़ने का उपाय मैं लेकर आई हूं, शैतान!

इस गोले में, गुफा की पॉजिटिव एनर्जी भरी हुई है!
और यह एनर्जी तुम लोगों को खाक में मिला देगी!
गोला, जमीन पर गिरते ही रोशनी का एक तेज झमाका हुआ–
और उस चमक के साथ ही गायब हो गए डॉक्टर सटन और उसके वैम्पायर।
लोरी! ये सब कहां गए?
इनका अंत हो गया है, ध्रुव! ये असली डॉक्टर सटन नहीं था! बल्कि उन के रूप में वैम्पायरों की टोली का मुखिया था!
असली डॉक्टर सटन को इन लोगों ने शायद, कहीं कैद कर रखा है, या मार डाला है!
ओह! पर ये यहां पर क्यों आए थे?
दरअसल परमाणु विस्फोट के कारण गुफा के अंदर एक दूसरी दुनिया का द्वार खुल गया था। ऐसी दुनिया जिसमें 'पॉजिटिव एनर्जी' वाले वैम्पायर रहते हैं।
यानि अच्छे भूत?
हां! ऐसा ही समझ लो!
जब चंडिका, गुफा में घुसी, तो उसका मकसद जानने के लिए, एक अच्छे वैम्पायर ने उसके शरीर पर कब्जा कर लिया।
चंडिका की पोशाक और मास्क इसीलिए नहीं उतर रहे थे...
क्योंकि वैम्पायर ने उस पर उसी रूप में कब्जा किया था।
इस दुनिया का द्वार खुलते ही, निगेटिव एनर्जी वाले यानि, बुरे वैम्पायरों को भी, इस द्वार के खुलने की भनक लग गई थी।
गुफा को रेडियो-एक्टिविटी से मुक्त कराने की आड़ में वे इन अच्छे वैम्पायरों को या तो मार रहे थे, या कैद कर रहे थे।
क्योंकि ये अच्छी आत्माएं उनके बुरे इरादों के लिए खतरनाक थीं।
इसी बीच जोजो के वैम्पायर बनने से डॉक्टर सटन समझ गया, कि एक वैम्पायर गुफा से निकल भागा है।

वह जानना चाहता था कि वह वैम्पायर कौन है, ताकि उसको नष्ट किया जा सके।
और इसी बीच चंडिका, अच्छे वैम्पायर के रूप में, बुरे वैम्पायरों को उनके असली रूप में ला रही थी।
एक बात और। गुफा के अंदर एक जासूस की लाश भी पड़ी है।
और लाश के पास ही परमाणु यंत्र के नक्शे तथा एक डायरी भी पड़ी है।
चूँकि तुम वैम्पायर नहीं थे, इसलिए तुम पर उसके काटने का कोई असर नहीं हुआ।
डॉक्टर सटन पर मेरा शक करने का एक कारण यह भी था कि चंडिका, सिर्फ डॉक्टर सटन के आदमियों पर ही हमला कर रही थी।
ओह! ये चीजें उसने गुफा में छुपाकर ही रखी होंगी।
लेकिन वह मरा कैसे?
गुफा के पॉजिटिव वैम्पायरों ने उसे खत्म कर दिया था। वे किसी बुरी आत्मा को नहीं छोड़ते।
लेकिन अब चंडिका का क्या होगा? क्या वह ठीक नहीं हो सकती?
चंडिका तो ठीक हो भी गई होगी, ध्रुव! वैम्पायर उसका शरीर छोड़ चुका होगा।
बुरे वैम्पायरों के खत्म होते ही अच्छे वैम्पायरों का काम भी खत्म हो गया है। वे लोग वह द्वार भी बंद कर रहे हैं।
ध्रुव! ध्रुव!
यह सब क्या हो रहा है?
चंडिका अपने आप कैसे ठीक हो गई?
ओह! जनरल साहब! पापा और चंडिका!
आपको लोरी सब समझा देगी।
लोरी, जरा इनको...
अरे! लोरी कहां गई?
कौन थी वह लड़की?
मैं सब समझता हूं, पापा!
सिर्फ लोरी और किले वाली बात नहीं बताऊंगा...
...अगर वह अपना रहस्य किसी को नहीं बताना चाहती, तो मैं भी इसमें उसी का साथ दूंगा।

और फिर—
सारा काम निपट गया! राजनगर जाने की परमीशन भी मिल गई।
पर ये श्वेता अभी तक गायब...
पापा, पापा!
श्वेता, तू कहां चली गई थी? मैं कितना परेशान था!
अरे भइया? तुम यहां पर क्यों आए? जरूर मेरी चुगली करने आए होगे।
इसकी खूब पिटाई करो, पापा!
पिटाई क्यों? मैं तो उसी शाम वापस आ रही थी। पर पहरे पर कई नए सिपाही खड़े थे। बोले कि नाकेबंदी है। कोई अन्दर नहीं जा सकता।
ये बात तो सच है!
फिर तू अंदर कैसे आई?
मैं दो दिनों तक सिपाहियों का कान खाती रही!
बहरे हो जाने के डर से उन लोगों ने मुझे अंदर आने दिया।
झूठ! फिर सफेद झूठ!
अरे! झूठे होगे तुम! मैं क्यों झूठ बोलूंगी? मैं किसी से डरती हूं क्या?
ओहो! झगड़ना बंद करो और सामान पैक करो।
हम लोग वापस राजनगर चल रहे हैं।
ठीक है! बाकी का झगड़ा राजनगर में होगा।
मैंने कहां पर झगड़ा छोड़ा था... हां, मैं किसी से डरती हूं क्या?
सिपाही सच में बहरा हो गया होगा!
लड़ाई-झगड़े से हमेशा दूर रहना चाहिए—
इसीलिए अब हम कहानी करते हैं, यहीं पर...
समाप्त।